जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:28 अंक:188 दिनांक:20-06-2023 मंगलवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

असम के कई हिस्सों में रातभर हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति खतरनाक बनी रही और कई गांव, कस्बे एवं खेत जलमग्न हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने असम के लिए 'रेड अलर्ट' जारी कर गुरुवार तक राज्य के कई जिलों में बहुत भारी बारिश की संभावना जाहिर की है।

शिवसेना के 57वें स्थापना दिवस के मौके पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) धड़े के प्रमुख उद्धव पर तीखा हमला बोला और कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए बाल ठाकरे की विचारधारा से समझौता किया गया।

असम में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति, 33,400 से अधिक लोग प्रभावित

मौसम विभाग से गुरुवार तक का अलर्ट

गुवाहाटी (ईएमएस)। असम के कई हिस्सों में रातभर हुई भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति खतरनाक बनी रही और कई गांव, कस्बे एवं खेत जलमग्न हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने असम के लिए 'रेड अलर्ट' जारी कर गुरुवार तक राज्य के कई जिलों में बहुत भारी बारिश की संभावना जाहिर की है। गुवाहाटी में आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने सोमवार के लिए कोकराझार, चिरांग, बक्सा, बारपेटा और बोंगाईगांव जिलों में भारी (24 घंटे में 7-11 सेंटीमीटर) से बहुत भारी (24 घंटे में 11-20 सेंटीमीटर) और अत्यधिक भारी बारिश (24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक) के पूर्वानुमान के साथ रेड अलर्ट जारी किया।

इस अवधि में धुबरी, कामरूप, कामरूप महानगर, नलबाड़ी, दीमा हसाओ, कछार, गोलपाड़ा और करीमगंज जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आरएमसी ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट और उसके बाद के दो दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, कछार, दरंग, धेमाजी, डिबूगढ़, गोलाघाट, होजई, लखीमपुर, नागांव, नलबाड़ी, सोनितपुर, तिनसुकिया और उदलगुरी जिलों में बाढ़ के कारण 33,400 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

लखीमपुर में सर्वाधिक करीब 25,200 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इसके बाद डिबूगढ़ में 3,800 से अधिक लोग और तिनसुकिया में लगभग 2,700 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। प्रशासन तीन जिलों में 16 राहत वितरण केंद्र चलाने के अलावा एक राहत शिविर संचालित कर रहा है, जहां नौ लोगों ने आश्रय लिया है। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में 142 गांवों में पानी भरा है और पूरे असम में 1,510.98 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान हुआ है। दीमा हसाओ और करीमगंज में भारी वर्षा के कारण भूस्खलन की घटनाओं की सूचना मिली है। सोनितपुर, लखीमपुर, कछार, धेमाजी, गोलपारा, नागांव, उदलगुरी, चिरांग, डिबूगढ़, कामरूप, कार्बी आंगलोंग, करीमगंज, बोंगाईगांव, माजुली, मोरीगांव, शिवसागर और दक्षिण सलमारा में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

उग्रवादियों की गोली से सेना का जवान हुआ घायल

इंफाल (ईएमएस)। इंफाल पश्चिम जिले में उग्रवादियों के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान सेना का एक जवान घायल हो गया। इस दौरान उग्रवादियों ने क्षेत्र के पांच घरों में आग भी लगा दी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि हथियारबंद बदमाशों ने रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात इंफाल पश्चिम जिले के चिंगमंग गांव और कांटो सबल में गोलीबारी की, जिसमें हमारा एक जवान घायल हो गया। आर्मी कॉलम ने क्षेत्र में ग्रामीणों को ध्यान में रखते हुए नियंत्रित जवाबी कार्रवाई की। ?जिसमें सेना का एक जवान गोली लगने से घायल हो गया और उसे तुरंत लीमाखोंग के सैन्य अस्पताल में ले जाया गया और अब उसकी हालत स्थिर है। एक रक्षा प्रवक्ता ने कहा, सेना की अतिरिक्त टुकड़ियों को क्षेत्र में तैनात किया गया है और संयुक्त अभियान जारी है। सेना के साथ मुठभेड़ से पहले उग्रवादियों ने लीमाखोंग गांव में पांच घरों को आग के हवाले कर दिया, इसके बाद जमकर गोलीबारी की गई।

23 को विरोधी दलों की बैठक से पहले आप और टीएमसी दोनों ही दल कांग्रेस पर हमलावार

कैसे बनेगी पीएम मोदी के खिलाफ विपक्ष की एकता

नई दिल्ली (ईएमएस)। 23 जून को पटना में विपक्षी दलों की बैठक होनी हैं, लेकिन दो विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी (आप) कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। आप प्रमुख और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने राजस्थान में रैली कर कांग्रेस और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। वहीं, बंगाल में पंचायत चुनाव को लेकर राजनीति तेज है, जहां कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस एक दूसरे पर हमलावर है। कांग्रेस हिंसा को लेकर टीएमसी पर हमलावर है। वहीं ममता ने भी पलटवार कर दिया हैं।

मुख्यमंत्री गहलोत और भाजपा नेता और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के आपसी संबंधों पर निशाना साधकर केजरीवाल ने कहा कि गहलोत कहते थे कि वसुंधरा भ्रष्टाचार करती हैं। उन्होंने कहा, (कांग्रेस नेता) सचिन पायलट वसुंधरा के खिलाफ कार्रवाई की बात कहते-कहते थक गए हैं। लेकिन, गहलोत कहते हैं कि मैं कार्रवाई नहीं करूंगा, वह मेरी बहन हैं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि उनका एक ही काम है भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार। केजरीवाल ने कहा कि जब से गहलोत साहब आए हैं, 14 पेपर लीक हुए हैं, 10 साल में 26 पेपर लीक हुए। पेपर 10-15 लाख में बिकते हैं। पैसा ऊपर तक जाता है।

वहीं तीन दिन पहले, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने दो टूक कहा था कि अगर कांग्रेस पश्चिम बंगाल में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी वाम दलों के साथ गठबंधन करना जारी रखती है, तब वह उसके साथ नहीं खड़ी होंगी। ममता ने कहा कि आज जो लोग बोल रहे हैं कि बंगाल में शांति नहीं है, मैं उनसे पूछती हूं कि सीपीआई(एम) के राज में कौनसी शांति थी। कांग्रेस बहुत राज्यों में रही है, वे संसद में हमारा सहयोग चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम भाजपा के खिलाफ उनका साथ देने को तैयार हैं लेकिन सीपीआई(एम) से हाथ मिलाने के बाद आप बंगाल में हमारे से सहयोग मांगने न आएं। बड़ा सवाल यही है कि इनती कड़वाहट के बावजूद सभी दल भाजपा के खिलाफ एक साथ कैसे हो पाएंगे। माना जा रहा है कि केजरीवाल और बनर्जी के 23 जून को पटना में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सीताराम येचुरी के साथ आमने-सामने होंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के खिलाफ एक महत्वाकांक्षी विपक्षी एकता सूत्र बनाने का प्रयास कर रहे हैं। आप के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि एक दर्जन राज्यों में उनकी उपस्थिति है और इस साल के अंत में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनावों में कांग्रेस और भाजपा दोनों को टक्कर देने की योजना है। यह कांग्रेस के साथ आप के संघर्ष को और आगे ले जा सकता है। कांग्रेस आप पर पहले से ही वोटों को विभाजित करने का आरोप लगाती रही है।

बिपरजॉय तूफान से बाड़मेर में भारी बारिश.....चार मासूम बच्चों की मौत

बाड़मेर (ईएमएस)। बाड़मेर जिले में बिपरजॉय तूफान की वजह से भारी बारिश के कारण जगह-जगह पानी का भर गया है। जल भराव के कारण अब तक चार मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है। वहीं एक अन्य व्यक्ति तालाब में लापता हो गया। उसकी तलाश जारी है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले क्षेत्रों में नहीं जाने की अपील की है।

बाड़मेर जिले के गंगासरा गांव में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। वहीं सिवाना के पादरली गांव में बकरियां चराने गए दो चचेरे भाइयों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। राखी गांव के तालाब में दोस्तों के साथ नहाने उतरा एक युवक डूब गया। युवक की खोज जारी हैं, लेकिन उसका अभी तक पता नहीं चल सका हैं।

गंगासरा गांव में हादसे के शिकार हुए बच्चों में कृपाल सिंह पुत्र दीप सिंह (8) और खेत सिंह पुत्र चैन सिंह (7) शामिल हैं। दोनों बारिश से गड्ढे में जमा हुए पानी में डूब गए। इससे दोनों की मौत हो गई। वहीं हादसे के शिकार हुए बच्चों में पादरली गांव निवासी प्रकाश पुत्र चंद्रा राम (8) और राहुल पुत्र खेताराम भील (7) शामिल हैं। ये लोग बकरियां चराने गए हुए थे। वहां पानी में डूब गए। ये भी चचेरे भाई थे।

उल्लेखनीय है कि बिपरजॉय तूफान के कारण समूचे बाड़मेर जिले में बीते दो दिनों में भारी से भारी बारिश हुई है। इसके कारण कई गांव और कस्बे जलमग्न हो गए हैं। वहीं कई अन्य निचले इलाकों में पानी भर गया है।

बिपरजॉय तूफानः धर्मशाला में मूसलाधार बारिश, 40 टूरिस्टों को बचाया गया

कांगडा में पौंग झील में डूबने दो की मौत

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में भी बिपरजॉय तूफान का असर दिख रहा है। बारिश के कारण टूरिस्ट सिटी धर्मशाला में 40 टूरिस्ट को पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीम ने रेस्क्यू किया है। हिमाचल में मौसम विभाग ने अगले 5 दिन के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी कर दिया है।

मौसम विभाग के शिमला केंद्र ने बताया कि बीते 12 घंटे में कांगड़ा के पालमपुर में 57 एमएम, धर्मशाला में 43.3 और नगरोटा सूरियां में 34 एमएम पानी गिरा है सोमवार को भी हिमाचल में मौसम खराब बना हुआ है। 19 से लेकर 23 जून तक प्रदेश भर में मौसम खराब रहेगा और येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके पहले, रविवार को कांगड़ा, बिलासपुर और हमीरपुर में कई स्थानों पर बारिश हुई। धर्मशाला के मैक्लोडगंज के भागसूनाग नाले और गुणा माता मंदिर के पास नाले में जलस्तर बढ़ने से 14 सैलानी फंस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों, पुलिस जवानों और एनडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू किया।

कांगड़ा के पुलिस थाना ज्वाली के तहत पौंग झील के बीच स्थित बाथू की लड़ी में दो युवकों की डूबने से मौत हो गई है। मृतकों की पहचान रजत (23) पुत्र अशोक कुमार व सुमित कुमार (26) पुत्र जुगल किशोर निवासी दौलतपुर के रूप में हुई है। रजत लोक निर्माण विभाग में कार्यरत था जबकि सुमित कुमार भारतीय सेना का जवान है। दोनों ही युवक अपने अन्य दोस्तों के साथ महाभारत कालीन बताई जाने वाली बाथू की लड़ी नामक धार्मिक पर्यटन स्थल को देखने के लिए आए थे। गर्मी से राहत पाने के लिए दोपहर रजत व सुमित कुमार पौंग झील में नहाने के लिए चले गए और पानी की गहराई का अंदाजा न होने के कारण गहरे पानी में जाने से डूब गए।

चीन पर पीएम मोदी चुप्पी ने भारत की स्थिति को कमजोर किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जून 2020 में गलवान घाटी संघर्ष पर चीन को क्लीन चिट देने की निंदा कर कहा कि इसके बाद पीएम मोदी की चुप्पी ने भारत की बातचीत की स्थिति को कमजोर किया है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा, आज ही के दिन तीन साल पहले प्रधानमंत्री ने चीन को यह क्लीन चिट दी थी। बस उनकी बात सुनिए। इस घटनाक्रम ने भारत को बहुत चोट पहुंचाई है और आगे भी चोट पहुंचाएगा। संसद में और बाहर उनकी चुप्पी ने भारत की बातचीत की स्थिति को कमजोर करने में योगदान दिया है। उन्होंने 19 जून को चीन पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी का एक वीडियो भी संलग्न किया। गौरतलब है कि कांग्रेस चीन के साथ सीमा विवाद पर प्रधानमंत्री की चुप्पी और संसद में इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करने के लिए केंद्र की आलोचना कर सवाल उठाती रही है।

कनाडा में खालिस्तानी आतंकी की हत्या

नई दिल्ली (ईएमएस)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की सोमवार को कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। निज्जर कनाडा में सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख था। खालिस्तानी टाइगर फोर्स का मुखिया भी था। वह कनाडा में रहकर लंबे समय से पंजाब में खालिस्तानी मूवमेंट चला रहा था। निज्जर को कनाडा के सरे में स्थित गुरु नानक सिंह गुरुद्वारे के नजदीक बाइक सवार दो अज्ञात बंदूकधारियों ने गोलियों से भून कर फरार हो गए। भारत सरकार ने बीते दिनों उसको आतंकी घोषित किया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) खालिस्तानी आतंकी निज्जर पर 10 लाख रुपये का इनाम रखा था। निज्जर पर पंजाब के जालंधर में एक हिंदू पुजारी की हत्या करने का आरोप था।

इंडिगो एयरबस से 500 नए एयरक्राफ्ट खरीदेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडिगो ने एयरबस के साथ एक मेगा डील साइन किया है। इस डील के तहत इंडिगो एयरबस से 500 नए एयरक्राफ्ट खरीदेगी। इस डील को लेकर एयरबस ने एक बयान भी जारी किया है। इस बयान में कहा गया है कि 500 एयरक्राफ्ट का ऑर्डर उनके कॉमर्शियल एविएशन के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है।

इस बयान में आगे कहा गया है कि नवीनतम समझौते के बाद इंडिगो द्वारा ऑर्डर किए गए एयरबस विमानों की कुल संख्या अब 1,330 हो गई है। इस मेगा डील को साइन करने के साथ ही इंडिगो ने नए विमान खरीदने का एयर इंडिया का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है।

एयरबस ने इंडिगो के प्रमुख पीटर एल्बर्स के हवाले से कहा कि 500 एयरबस ए320 फैमिली एयरक्राफ्ट के लिए इंडिगो के नए ऐतिहासिक ऑर्डर के महत्व को कम करना मुश्किल है। अगले दशक के लिए लगभग 1000 विमानों की ऑर्डर बुकिंग करने के बाद अब इंडिगो को भारत में आर्थिक विकास, सामाजिक सामंजस्य और गतिशीलता को बढ़ावा देने के अपने मिशन को पूरा करने में और आसानी होगी।

अजमेर जिले के अस्पताल के वार्ड में भरा बारिश का पानी, भाजपा का हमला

अजमेर (ईएमएस)। राजस्थान के अजमेर जिले के जेएलएन अस्पताल के वार्ड में बारिश का पानी घुस गया। इससे मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुरुष आर्थोपेडिक मरीजों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट करना पड़ा। सुबह से ही चक्रवात बिपरजॉय की वजह से लगातार बारिश हो रही थी। चक्रवात के कारण मेडिकल कॉलेज ग्राउंड, कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी और आसपास के परिसरों में पानी भर गया। इसके अलावा, पंजीकरण काउंटर, मुफ्त दवा वितरण केंद्र, सोनोग्राफी, एक्स-रे, आर्थोपेडिक, सर्जरी, आंख, मेडिसिन और ओपीडी, इमरजेंसी सेंट्रल लैब और चारों गलियारों में भी जलभराव हो गया।

मरीजों को दूसरी मंजिल पर स्थित पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड और इमरजेंसी के पास ट्रामा वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। इस बीच भाजपा के दिग्गज नेता अमित मालवीय ने अस्पताल में बाढ़ जैसी स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा। भाजपा नेता ने ट्वीट किया, राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल को वेनिस बना दिया है। थोड़ी सी बारिश हुई और पूरा अस्पताल पानी में डूब गया, इतना पानी कि गहलोत अपनी फोटो चिपकाकर अस्पताल में नाव चलावा सकें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्म?दिन आज, नेताओं-कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जन्म?दिन पर पार्टी के व??रिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। 1970 में जन्में राहुल गांधी का आज 19 जून को जन्मदिन है, वे 53 साल के हो गए हैं। जानकारी के अनुसार राहुल ?फिलहाल अमेरिका के दौरे पर हैं। राहुल गांधी के जन्मदिन पर कई वरिष्ठ नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने बधाई दी है। दिल्ली में सोमवार को एआईसीसी मुख्यालय के बाहर राहुल को जन्मदिन की बधाई देने वाले पोस्टर लगाए गए हैं। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ट्वीट में लिखा- राहुल गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। संवैधानिक मूल्यों के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता और विपरीत परिस्थितियों में आपका अदम्य साहस सराहनीय है। आप दया और सद्भाव का संदेश फैलाते हुए सत्ता के लिए सच बोलना जारी रखें और लाखों भारतीयों की आवाज बनें। इसी तरह पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट में कहा, राहुल गांधी इस अंधेरे समय में एक प्रकाशस्तंभ हैं, जो एक विकसित, सुरक्षित और शांतिप्रिय भारत का सपना देखते हैं। उनके निस्वार्थ संघर्ष, समावेशिता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, उनके प्रगतिशील विचार और गरीबों और दलितों के लिए उनके समर्पण को सलाम। वहीं छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कहा, बिना डरे सत्ता से सवाल करने वाले और करोड़ों लोगों को सवाल करने का साहस देने वाले जनप्रिय नेता राहुल गांधी जी को हम सब की तरफ से जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका साहस देशवासियों को यूं ही ताकत देता रहे, ऐसी ईश्वर से कामना करता हूं।

राहुल के जन्म?दिन पर कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने कहा, राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई। मैं उनकी खुशी, अच्छे स्वास्थ्य और लंबे जीवन की कामना करता हूं। भारत हर समय राहुल गांधी के साथ खड़ा है। राहुल नफरत फैलाने के खिलाफ लड़ने और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सब कुछ कर रहे हैं। वहीं, राहुल गांधी के जन्मदिन को पार्टी कार्यकर्ता भी सेलिब्रेट कर रहे हैं। जगह-जगह संगठन स्तर पर कार्यक्रम किए जा रहे हैं। ट्विटर पर राहुल को सुबह से शुभकामनाएं मिल रही हैं और हैशटैग के साथ उन्हें विश किया जा रहा है। 19 जून 1970 को जन्मे राहुल गांधी को कई अन्य राजनेताओं ने भी सोशल मीडिया पर बधाई दी है। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने लिखा, राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। जनसेवा के प्रति आपका समर्पण और प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायी है।

गीता प्रेस नहीं लेगा गांधी शांति पुरस्कार की धनराशि, कहा-सम्मान स्वीकार, दान नहीं

गोरखपुर (ईएमएस)। गीता प्रेस ट्रस्ट ने गांधी शांति पुरस्कार के साथ मिलने वाली एक करोड़ रुपये की धनराशि को लेने से मना कर दिया है। गीता प्रेस ट्रस्टियों का कहना है कि कहना है कि गीता प्रेस किसी तरह का दान का धन नहीं लेता है। इसलिए ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि गांधी शांति पुरस्कार के साथ मिलने वाली एक करोड़ रुपये की धनराशि गीता प्रेस स्वीकार नहीं करेगा। विदित हो कि गीता प्रेस को वर्ष 2021 का गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली ज्यूरी ने सर्वसम्मति से गीता प्रेस के नाम पर मुहर लगाई है।

गीताप्रेस के प्रबंधक डॉ. लाल मणि तिवारी ने बताया कि गीता प्रेस कहीं से भी मिलने वाले सम्मान या धन को स्वीकार नहीं करता है, लेकिन गीता प्रेस के ट्रस्टियों ने निर्णय लिया है कि वह गांधी शांति पुरस्कार स्वीकृत करेंगे, लेकिन उसके साथ मिलने वाले एक करोड़ रुपये को स्वीकार नहीं किया जाएगा। दुनिया भर में धार्मिक पुस्तकों के प्रकाशन के लिए प्रसिद्ध गीता प्रेस की उपलब्धियों में रविवार को शांति का एक और अध्याय जुड़ गया। गीता प्रेस को वर्ष 2021 का गांधी शांति पुरस्कार मिलने से ट्रस्टी से लेकर शहर के लोग तक हर्षित हैं। स्थापना के सौ वर्ष पूरे करने के अवसर पर मिले पुरस्कार से खुशी चौगुनी हो गई है।

कांग्रेस को जाकिर शांति का मसीहा और गीता प्रेस सांप्रदायिक लगाती हैं : भाजपा

गीता प्रेस नाम के कारण कांग्रेस को तकलीफ

गोरखपुर (ईएमएस)। गोरखपुर स्थित गीता प्रेस को 2021 के लिए गांधी शांति पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार 'अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान' के लिए दिया जाता है। हालांकि, इस लेकर राजनीतिक दंगल भी शुरू हो गया है। कांग्रेस ने मोदी सरकार के फैसले पर सवाल खड़े किए हैं। जबकि भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार किया है। भाजपा ने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस मामले को लेकर सवाल इसकारण खड़े कर रही है, क्योंकि वह सनातन परंपरा से नफरत करती है।

भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेकर कहा कि विपक्षी पार्टी गीता प्रेस से इसकारण नफरत करती है, क्योंकि वह सनातन का संदेश फैला रहा है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस को 'हिन्दू विरोधी' करार दिया और लोगों से सवाल किया कि गीता प्रेस पर उसके हमले से क्या कोई हैरान है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि अगर इस एक्सक्लूसिव प्रेस कहा जाता तब वे इसकी सराहना करते लेकिन क्योंकि यह गीता है, इसकारण कांग्रेस को समस्या है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस मुस्लिम लीग को धर्मनिरपेक्ष मानती है, लेकिन गीता प्रेस सांप्रदायिक है, जाकिर नाइक शांति का मसीहा है, लेकिन गीता प्रेस सांप्रदायिक है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस कर्नाटक में गौहत्या चाहती है। कांग्रेस ने कभी गीता जी की तुलना जिहाद से की थी....शिवराज पाटिल का बयान याद रखें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने प्रभु श्री राम के अस्तित्व को नकारा और राम मंदिर का विरोध किया। कांग्रेस गीता प्रेस से नफरत करती है, क्योंकि वह सनातन के संदेश को कोने-कोने में फैला रही है।

दरअसल ट्विटर पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार 2021 देना सावरकर और गोडसे को पुरस्कृत करने जैसा होगा। कांग्रेस नेता रमेश ने तर्क दिया कि एक लेखक अक्षय मुकुल ने गीता प्रेस एंड द मेकिंग ऑफ हिंदू इंडिया नामक एक जीवनी लिखी थी। रमेश ने कहा कि किताब मुकुल के महात्मा गांधी के साथ तूफानी संबंधों और उनके राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक एजेंडे पर उनके साथ चल रही लड़ाइयों का पता लगाता है। यह फैसला वास्तव में एक उपहास है और सावरकर और गोडसे को पुरस्कार देने जैसा है। हालांकि, कांग्रेस में भी इस लेकर राय बंटी हुई नजर आ रही है। यूपी कांग्रेस के नेताओं का मानना है कि जयराम रमेश को इसतरह के बयान नहीं देना चाहिए था।

जेपीसी से कराएं 88 हजार करोड़ के नोट घोटाले की जांच- नाना पटोले

- 500 रुपए के 176 करोड़ नए नोट किसकी जेब में गए ?

- श्री राम और हनुमान का अपमान करने वाली फिल्म आदिपुरुष पर प्रतिबंध लगाएं

मुंबई, (ईएमएस)। केंद्र की मोदी सरकार का यह दावा की उन पर भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं, लेकिन यह दावा पूरी तरह से झूठा है। मोदी सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है। यह आरोप महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने लगाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का अब एक और घोटाला सामने आया है। साल 2016-17 में 500 रुपए 8810.65 करोड़ नए नोट छापे गए लेकिन आरबीआई तक सिर्फ 7,250 करोड़ नोट पहुंचे। यानी 88,000 करोड़ रुपए के 176 करोड़ नोट गायब हो गए। आखिर ये नोट किसकी जेब में गए? नाना पटोले ने इस पूरे घोटाले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह बात सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी पर कही है। सोमवार को इस संबंध में मुंबई के दादर स्थित तिलक भवन में पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने आगे कहा कि नासिक, देवास और बेंगलुरु के सरकारी प्रिंटिंग प्रेस में नोट छापे जाते हैं। नासिक और देवास में सरकारी प्रिंटिंग प्रेस केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। सामान्य प्रक्रिया के तहत सरकारी प्रिंटिंग प्रेस से नोट छापने के बाद सीधे रिजर्व बैंक में जाता है और फिर बैंकों के जरिए इसका वितरण होता है। पटोले ने कहा कि इस प्रक्रिया में आखिर कहां गड़बड़ी हुई कि 500 रुपए के करीब 88 हजार करोड़ रुपए गायब हो गए ? उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर प्रश्न है और मोदी सरकार को इस सवाल का जवाब देश की जनता को देना चाहिए। पटोले ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि नोटबंदी देश का सबसे बड़ा घोटाला है। नोटबंदी की घोषणा के बाद रिजर्व बैंक में 500 और 1000 रुपये के पुराने नोट जमा कराए गए थे। 1660 करोड़ के नोट चलन में थे लेकिन इन पुराने नोटों को जब रिजर्व बैंक में जमा कराया गया तो 2 लाख करोड़ के नोट अधिक थे। सवाल है कि नोटबंदी के बाद ये नए नोट कहां से आए। इनमें से कितने नए नोट छापे गए? इनमें से कितने नोट रिजर्व बैंक तक पहुंचे? इसके साथ ही पुराने नोटों के घोटाले की भी जांच होनी चाहिए।

* फिल्म आदिपुरुष पर बैन लगना चाहिए..

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि 'आदिपुरुष' फिल्म में भगवान श्रीराम और हनुमान का अपमान किया गया है। बीजेपी इस बात का ढिंढोरा पिटती है कि वह हिंदुत्व की सरकार चला रही है, लेकिन श्रीराम और हनुमान का अपमान करने वाली इस फिल्म है के बारे में कुछ नहीं कहती है। फिल्म में हनुमान के मुंह से टपोरी की भाषा जैसे संवाद बुलवाए गए हैं। फिल्म के नाम पर कार्टून बनाया गया है। पटोले ने कहा कि क्या सेंसर बोर्ड इस फिल्म को प्रमाण पत्र देते समय सो रहा था? इस फिल्म का निर्माण करने वालों को श्री राम और हनुमान का अपमान करने के लिए देश की जनता माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की है कि श्री राम और हनुमान का अपमान करने वाली फिल्म आदिपुरुष को तुरंत बैन किया जाना चाहिए।

आदिपुरुष विवाद : किसी की भावनाएं आहत करने का अधिकार नहीं : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भगवान राम के जीवन पर आधारित फिल्म आदिपुरुष को लेकर हुए विवाद के बाद केंद्र सरकार भी हरकत में आ गई है। सूचना एंव प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने दो टूक कहा है कि किसी भी व्यक्ति को किसी की भावनाएं आहत करने का अधिकार नहीं है। इसकारण अब फिल्म के डायलॉग में परिवर्तन करने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा, 'सीबीएफसी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन) ने इसपर जो निर्णय करना है वहां किया है। जो सीबीएफसी का काम भी है। फिल्म के निर्माता-निदेशक है, जो फिल्म के लेखक भी हैं, उन लोगों ने फिल्म के डायलॉग बदलने की बात कही है। किसी की भी भावनाओं को आहत करने का अधिकार किसी को नहीं है।

आदिपुरुष फिल्म के खिलाफ हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की तरफ से दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका भी लगाई गई है। याचिका में कहा गया है कि फिल्म में भगवान श्रीराम का मजाक उड़ाया गया है। लिहाजा कोर्ट से फिल्म को बैन करने की मांग की गई है। जिन लोगों ने फिल्म आदिपुरुष को देखा है उनका कहना है कि इसमें जिस तरह की भाषा का प्रयोग हुआ है, वहां भगवान श्रीराम और रामायण के वक्त पर त्रेता युग की भाषा से मेल नहीं खाती है। फिल्म में एक स्थान पर डायलॉग का इस्तेमाल किया गया है, 'तेरी जली ना?' इतना ही नहीं एक अन्य जगह लाइन है 'तेल तेरे बाप का आग तेरे बाप की।

इन डायलॉग को जिस किसी ने भी सुना वहां हैरान रह गया। इतने संवेदनशील मुद्दे पर बनाई गई फिल्म में कई बेसिक गलतियां भी हैं। रावण की लंका सोने की थी। आदिपुरुष फिल्म में लंका को काले रंग का दिखाया गया है।

बीजेपी नेता खुशबू सुंदर पर शिवाजी कृष्णमूर्ति की भद्दी टिप्पणी, स्टालिन ने पार्टी से निकल गिरफ्तार कराया

चेन्नई (ईएमएस)। तमिलनाडु में सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम के पदाधिकारी शिवाजी कृष्णमूर्ति अपने विवादित बयानों और बदजुबानी के कारण विवादों में रहते हैं। कभी कृष्णमूर्ति राज्यपाल पर अमर्यादित हमला करते हैं, तब कभी अन्य राजनीतिक विरोधियों को गलत तरीके से आड़े हाथ लेते हैं। इसबार उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य, भाजपा नेत्री और अभिनेत्री खुशबू सुंदर पर 'भद्दी टिप्पणी' की है जिससे तमिलनाडु की राजनीति में नया तूफान खड़ा हो गया है। हालांकि स्टालिन सरकार ने मामला शांत करने के लिए शिवाजी कृष्णमूर्ति को गिरफ्तार कराकर उन्हें पार्टी से भी बर्खास्त कर दिया है।

बता दें कि मामले को उठाते हुए खुशबू ने कहा है कि राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) द्रमुक पदाधिकारी की टिप्पणी का खुद संज्ञान लेगा। खुशबू ने इस मुद्दे को उठाने के बादमें प्रेसवार्ता को संबोधित किया। खुशबू ने कहा कि वह पहले ही इस मुद्दे को तमिलनाडु राज्य महिला आयोग के समक्ष उठा चुकी हैं।

इसके पहले, खुशबू ने कृष्णमूर्ति का एक वीडियो साझा किया और कहा, इस आदतन अपराधी की भद्दी टिप्पणियां द्रमुक में प्रचलित राजनीतिक संस्कृति को दर्शाती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को 'टैग' करते हुए कहा, उस पार्टी में उनके जैसे कई हैं जिन्हें महिलाओं को गालियां देने, उन पर भद्दी टिप्पणी करने से नहीं रोका जाता और संभवतः उन्हें अधिक अवसर देकर पुरस्कृत किया जाता है। खुशबू ने सीएम स्टालिन को 'टैग' करते हुए ट्वीट में कहा, आपको इस बात का एहसास नहीं है कि वह न केवल मेरा अपमान कर रहे हैं

जन हितैषी

महाकाल लोक भ्रष्टाचार की याचिका पर, सरकार ने कहा याचिकाकर्ता राजनीतिक दल का

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिकाकर्ता केके मिश्रा ने, विभोर खंडेलवाल अधिवक्ता के माध्यम से एक जनहित की याचिका दायर की है। इस याचिका में उज्जैन के महाकाल लोक में हवा से 6 सप्तऋषियों की प्रतिमा गिरने, महाकाल लोक में अरबों रुपए के भ्रष्टाचार के खिलाफ याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने मांग की है, कि भ्रष्टाचार की जांच हाईकोर्ट की निगरानी में हो। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से आपत्ति जताते हुए सरकार की ओर से कहा गया है, कि याचिकाकर्ता एक राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ है। राज्य सरकार ने यह भी कहा, कि इस मामले की लोकायुक्त जांच शुरू हो गई है। सरकार की ओर से कहा गया, कि याचिकाकर्ता हाईकोर्ट आने से पहले लोकायुक्त या ईओडब्ल्यू में जा सकते थे। लेकिन वह सीधे हाईकोर्ट आ गए हैं। सरकार की ओर से याचिका निरस्त करने की बात कही गई है। इसमें सबसे बड़ी आश्चर्य करने वाली बात यह है कि याचिकाकर्ता को एक राजनीतिक दल से जुड़ा बताया गया है। अतः उसकी याचिका पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। इससे तो यही स्पष्ट होता है, कि राजनीतिक दल के नेता जो आरोप लगाते हैं। वह सही नहीं होते हैं। सरकार के इस पक्ष को जानने के बाद विशेष रूप से भाजपा नेताओं द्वारा समय-समय पर इसी तरह की जो याचिकाएं न्यायालयों में लगाई जाती हैं। हाल ही में राहुल गांधी को सूरत की कोर्ट से मानहानि के एक मामले में 2 साल की सजा हुई है। और उनकी संसद से सदस्यता भी समाप्त हो गई। इसके अलावा सैकड़ों और भी मामले हैं। जिसमें भाजपा नेताओं द्वारा हाई कोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में समय-समय पर याचिका दायर की हैं। इस मामले में राज्य सरकार द्वारा जो पक्ष रखा गया है। यदि उसे सही मान लिया जाए, तो भविष्य में राजनेताओं तथा राजनीतिक दलों द्वारा जो याचिका दायर की जाती है, उसमें इसी तरह से याचिका को खारिज करने की मांग की जा सकती है। लोकायुक्त मैं पहले भी महाकाल लोक में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत की गई थी। जिस पर लोकायुक्त संगठन द्वारा कोई त्वरित कार्यवाही नहीं की गई थी। मामूली आंधी में जब सप्तऋषियों में से 6 सप्त ऋषि की प्रतिमाएं गिरने से खंडित हुई। उसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ा, और लोकायुक्त संगठन ने आनन-फानन में जांच शुरू कर दी। लोकायुक्त संगठन और ईओडब्लू की जांच किस तरह से होती है। और कितना समय लगाता हैं। इसका अंदाजा सभी को है। यदि याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट की शरण ली है, तो सरकार को अपना पक्ष इस तरीके से रखना चाहिए था, जिसमें शासन की बात सामने आती। लेकिन शासन का यह कहना कि एक राजनीतिक दल से जुड़े हुए, व्यक्ति द्वारा याचिका दायर की गई है। अतः इस मामले की याचिका हाईकोर्ट खारिज कर दे। मध्य प्रदेश शासन की ओर से जो पक्ष रखा गया है, उसका तो एक ही मतलब निकलता है। राजनीतिक दल अथवा राजनेता जो भी आरोप लगाते हैं। वह राजनीति से प्रेरित होते हैं, उनमें कोई सत्यता नहीं होती है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दलों अथवा उनसे जुड़े हुए लोगों की याचिका पर हाईकोर्ट को सुनवाई नहीं करनी चाहिए? शासन व्यवस्था असंवेदनशील हो गई है। शिकायतों का निपटारा नहीं होता है। उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। लोगों को मजबूरन न्यायालयों की शरण में जाना पड़ता है। शासन भी यह कहने लगे है, कि यदि आपको शासन की कार्यवाही पर विश्वास नहीं है, तो न्यायायल चले जाये। यह एक तरह से शासन-व्यवस्था की निष्फलता है। शासन के उपर सभी पक्षों को विश्वास हो। उनका भी पक्ष सुना जाता, तो न्यायालय में जाने की जरुरत ही नहीं होती। शासन को इस पर भी विचार करना होगा।

वीरोचित भाव जगाए मातृशक्ति

- रानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस पर विशेष

वीरांगना नाम सुनते ही हमारे मनोमस्तिष्क में रानी लक्ष्मीबाई की छवि उभरने लगती है। भारतीय वसुंधरा को अपने वीरोचित भाव से गौरवान्वित करने वाली झांसी की रानी लक्ष्मीबाई सच्चे अर्थों में वीरांगना ही थीं। वे भारतीय महिलाओं के समक्ष अपने जीवन काल में ही ऐसा आदर्श स्थापित करके विदा हुईं, जिससे हर कोई प्रेरणा ले सकता है। वे वर्तमान में महिला सशक्तिकरण की जीवंत मिसाल भी हैं। कहा जाता है कि सच्चे वीर को कोई भी प्रलोभन अपने कर्तव्य से विमुख नहीं कर सकता। ऐसा ही रानी लक्ष्मीबाई का जीवन था। उसे अपने राज्य और राष्ट्र से एकात्म स्थापित करने वाला प्यार था। वीरांगना के मन में हमेशा यह बात कचोटती रही कि देश के दुश्मन अंग्रेजों को सबक सिखाया जाए। इसी कारण उन्होंने यह घोषणा की कि मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। इतिहास बताता है कि इस घोषणा के बाद रानी ने अंग्रेजों से युद्ध किया।

वीरांगना लक्ष्मीबाई के मन में अंग्रेजों के प्रति किस कदर घृणा थी, वह इस बात से पता चल जाता है कि जब रानी का अंतिम समय आया, तब ग्वालियर की भूमि पर स्थित गंगादास की बड़ी शाला में रानी ने संतों से कहा कि कुछ ऐसा करो कि मेरा शरीर अंग्रेज न छू पाएं। इसके बाद रानी स्वर्ग सिधार गईं और बड़ी शाला में स्थित एक झोंपड़ी को चिता का रुप देकर रानी का अंतिम संस्कार कर दिया। और अंग्रेज देखते ही रह गए। हालांकि इससे पूर्व रानी के समर्थन में बड़ी शाला के संतों ने अंग्रेजों से भीषण युद्ध किया, जिसमें 745 संतों का बलिदान भी हुआ, पूरी तरह सैनिकों की भांति अंग्रेजों से युद्ध करने वाले संतों ने रानी के शरीर की मरते दम तक रक्षा की।

जिन महापुरुषों के मन वीरोचित भाव से भरा होता है, उसका लक्ष्य सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय उत्थान ही होता है। वह एक ऐसे आदर्श चरित्र को जीता है, जो समाज के लिए प्रेरणा बनता है। इसके साथ ही वह अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सदैव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभिमानी और धर्मनिष्ठ होता है। ऐसी ही थीं महारानी लक्ष्मीबाई। उनका जन्म काशी में 19 नवंबर 1835 को हुआ। इनके पिता मोरोपंत ताम्बे चिकनाजी अप्पा के आश्रित थे। इनकी माता का नाम भागीरथी बाई था। महारानी के पितामह बलवंत राव के बाजीराव पेशवा की सेना में सेनानायक होने के कारण मोरोपंत पर भी पेशवा की कृपा रहने लगी। लक्ष्मीबाई अपने बाल्यकाल में मनु व मणिकर्णिका के नाम से जानी जाती थीं।

सन् 1850 मात्र 15 वर्ष की आयु में झांसी के महाराजा गंगाधर राव से मणिकर्णिका का विवाह हुआ। एक वर्ष बाद ही उनको पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। लेकिन चार माह पश्चात ही उस बालक का निधन हो गया। राजा गंगाधर राव को तो इतना गहरा धक्का पहुंचा कि वे फिर स्वस्थ न हो सके और 21 नवंबर 1853 को चल बसे। यद्यपि महाराजा का निधन महारानी के लिए असहनीय था, लेकिन फिर भी वे घबराई नहीं, उन्होंने विवेक नहीं खोया। राजा गंगाधर राव ने अपने जीवनकाल में ही अपने परिवार के बालक दामोदर राव को दत्तक पुत्र मानकर अंग्रेज सरकार को सूचना दे दी थी। परंतु ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार ने दत्तक पुत्र को अस्वीकार कर दिया।

27 फरवरी 1854 को लार्ड डलहौजी ने गोद की नीति के अंतर्गत दत्तक पुत्र दामोदर राव की गोद अस्वीकृत कर दी और झांसी को अंग्रेजी राज्य में मिलाने की घोषणा कर दी। यह सूचना पाते ही रानी के मुख से यह वाक्य प्रस्फुटित हो गया, मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी। यहीं से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ।

रानी लक्ष्मीबाई ने सात दिन तक वीरतापूर्वक झांसी की सुरक्षा की और अपनी छोटी-सी सशस्त्र सेना से अंग्रेजों का बड़ी बहादुरी से मुकाबला किया। रानी ने खुलेरूप से शत्रु का सामना किया और युद्ध में अपनी वीरता का परिचय दिया।

वे अकेले ही अपनी पीठ के पीछे दामोदर राव को कसकर घोड़े पर सवार हो, अंग्रेजों से युद्ध करती रहीं। बहुत दिन तक युद्ध का क्रम इस प्रकार चलना असंभव था। सरदारों का आग्रह मानकर रानी ने कालपी प्रस्थान किया। वहां जाकर वे शांत नहीं बैठीं।

उन्होंने नाना साहब और उनके योग्य सेनापति तात्या टोपे से संपर्क स्थापित किया और विचार-विमर्श किया। रानी की वीरता और साहस का लोहा अंग्रेज मान गए, लेकिन उन्होंने रानी का पीछा किया। रानी का घोड़ा बुरी तरह घायल हो गया और अंत में वीरगति को प्राप्त हुआ, लेकिन रानी ने साहस नहीं छोड़ा और शौर्य का प्रदर्शन किया।

कालपी में महारानी और तात्या टोपे ने योजना बनाई और अंत में नाना साहब, शाहगढ़ के राजा, वानपुर के राजा मर्दनसिंह आदि सभी ने रानी का साथ दिया। रानी ने ग्वालियर पर आक्रमण किया और वहां के किले पर अधिकार कर लिया। विजयोल्लास का उत्सव कई दिनों तक चलता रहा लेकिन रानी इसके विरुद्ध थीं। यह समय विजय का नहीं था, अपनी शक्ति को सुसंगठित कर अगला कदम बढ़ाने का था।

इधर जनरल स्मिथ और मेजर रूल्स अपनी सेना के साथ संपूर्ण शक्ति से रानी का पीछा करते रहे और आखिरकार वह दिन भी आ गया जब उसने ग्वालियर का किला घमासान युद्ध करके अपने कब्जे में ले लिया। रानी लक्ष्मीबाई इस युद्ध में भी अपनी कुशलता का परिचय देती रहीं। 18 जून 1858 को ग्वालियर का अंतिम युद्ध हुआ और रानी ने अपनी सेना का कुशल नेतृत्व किया। वे घायल हो गईं और अंततः उन्होंने वीरगति प्राप्त की। रानी लक्ष्मीबाई ने स्वातंत्र्य युद्ध में अपने जीवन की अंतिम आहूति देकर जनता जनार्दन को चेतना प्रदान की और राष्ट्रीय रक्षा के लिए बलिदान का संदेश दिया। (लेखिका-डॉ. वंदना सेन/ ईएमएस) (लेखिका शिक्षाविद और विभागाध्यक्ष हैं)

कहो तो कह दूं / वक्त का फेर है, जो छापा डालते थे उन पर छापा डल गया...

कहते हैं ना वक्त बड़ा बेरहम होता है, कब किसको कहां अलसेट दे दे कोई नहीं जानता, कल तक जो अर्श पर था वो फर्श पर पहुंच जाएं और फर्श वाला अर्श पर। वक्त की फितरत ही कुछ ऐसी होती है जिसके बारे में भगवान भी कुछ नहीं बता सकता ,अब देखो ना सेंट्रल जीएसटी के जो बड़े-बड़े अफसर बड़े-बड़े व्यापारियों के छापा मारने जाते थे सरकारी गाड़ी सरकारी अधिकार, जिन अफसरों के सामने करोड़पति, अरबपति व्यापारी गिड़गिड़ाया करते थे वे अब सीबीआई के अफसरों के सामने गिड़गिड़ा रहे हैं लेकिन सीबीआई के अफसर भी क्या करते उनके करम भी तो ऐसे थे, जिस चाहे को जब चाहे गैंग के रूप में घेर लिया और देने लगे बत्ती कि इतना पैसा लाओ वरना क्या से क्या हो जाएगा ये तुम नहीं जानते। कोई सोच सकता है कि रिश्वत के रूप में एक करोड़ की मांग हो सकती है दो, चार, पांच लाख की मांग तो अपन ने भी सुनी थी, अफसर किसी काम को सेट करने के बदले दो चार पांच लाख मांग लेता था लेकिन अफसरों की हिम्मत तो देखो सीधे-सीधे एक करोड़ की मांग। व्यापारी हाथ जोड़ कर गिड़गिड़ाता रहा साहब कुछ कम कर लो ,एक तरफ फैक्टरी घाटे में है ऊपर से आप एक करोड़ मांग रहे हो। बड़ी मुश्किल में मामला सेट हुआ पैंतीस लाख में व्यापारी पच्चीस लाख पहले ही दे चुका था दस बैलेंस थे लेकिन मोलभाव करके ये राशि सात लाख पर सैटिल हुई और व्यापारी ने इन अफसरों की गैंग को सात लाख पहुंचा दिए,लेकिन हिम्मत की दाद देना पड़ेगी इस रिश्वतखोर गैंग की ,ऑफिस के भीतर पूरी गैंग नोट गिनने में लगी थी क्योंकि व्यापारी को साफ साफ हिदायत दे दी गई थी कि कटे फटे नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे । नोटों की गड्डियां अलग-अलग कर रहे थे कि आ गई सीबीआई की टीम। टीम को देखते ही सारे अफसरों की हो गई सिट्टी पिट्टी गोल, एक झटके में सारा गुरूर उतर गया और सीबीआई वाले हाथ पकड़कर उन्हें अपने दफ्तर ले गए, इस बीच जब तलाशी ली गई तो किसी इंस्पेक्टर के पास चार लाख, तो किसी के पास ढाई लाख ,तो किसी के पास चौदह लाख नगद मिले। गैंग के लीडर कांबले साहेब के घर को देखकर तो सीबीआई टीम की आंखें भी चौंधिया गई। दस साल पहले भाई साहब ने नौकरी ज्वाइन की और इस दौरान उन्होंने को अकूत संपत्ति कमाई वो अब ठिकाने पर लगने वाली है अपना मानना तो ये है भले ही सरकारें भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की बात करें लेकिन किसी माई के लाल में ताकत नहीं जो भ्रष्टाचार खत्म कर सकें। अब पूरी गैंग पोल खोलने में लगी है कि किस किसको कितना पैसा दिया जाता था किसके हिस्से में कितनी राशि आती थी, सीबीआई उन तमाम अफसरों की भी कुंडली खंगालने में लगी है जो वहां एयर कंडीशंड ऑफिस में बैठकर व्यापारियों की ऐसी तैसी करते थे। इसलिए कहते हैं थोड़ा खाओ ज्यादा खाओगे तो यही हाल होगा ,लेकिन दिक्कत तो ये है कि एक बार रिश्वत का खून जुबान में लग जाता है तो उसका स्वाद भूले नहीं भूलता। जीएसटी के बड़े बड़े अफसरों की पूरी खाना तलाशी सीबीआई के अफसर कर रहे हैंऔर इसके चक्कर में गुलजार रहने वाले सेंट्रल जीएसटी के दफ्तर में सीसुई पटक सन्नाटा पसरा हुआ है।

भरोसा तो कब का उठ चुका

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक मीटिंग में कहा की जनता का भरोसा नेताओं पर से उठ गया है,इसके साथ-साथ उन्होंने आईएएस अफसरों को भी एक नसीहत दे डाली कि अफसर होने का अहंकार मत पालो। रक्षा मंत्री जी को ये बात बहुत लेट समझ में आई या पता लगी , नेताओं पर से तो भरोसा जनता का कब से उठ चुका है और क्यों ना उठे,वायदे करना और फिर उनको भुला देना, जनता को अपना नौकर समझना ये तो नेताओं की फितरत हैऔर उस पर करेला ऊपर नीम चढ़ा रही सही कसर ये अफसर पूरी कर देते हैं उनकी निगाह में तो वैसे भी आम जनता कीड़े मकोड़ों की तरह होती है कहने को तो दोनों ही जनता के सेवक हैं लेकिन वास्तव में जनता इन दोनों की सेवक है,और ये बात ये दोनों अच्छी तरह से जानते हैं ,दोनों की मिली-जुली नूरा कुश्ती जनता को दिखाने के लिए होती है लेकिन अंदर ही अंदर दोनों मिले हुए होते हैं। राजनाथ सिंह जी ने नेताओं को नसीहत दी है अपना विश्वास फिर से हासिल करो लेकिन सवाल वही है जो भरोसा एक बार टूट गया हो उसे हासिल करना कठिन ही नहीं बल्कि नामुमकिन होता है, नेता कितना ही झकाझक सफेद कुर्ता पजामा पहन ले लेकिन उसके अंदर का कालापन छुपाए नहीं छुपता, फिर भी यदि इतने बड़े नेता ये बात कह रहे हैं तो उन्हें भी इस बात का अंदाजा होगा कि जनता के सामने नेताओं की क्या हैसियत रह गई है और उन पर जनता का कितना विश्वास है, काश ये तमाम नेता किसी भी पार्टी के हों,यदि सिंह साहब की बात पर थोड़ा ध्यान लगा लें तो हो सकता है सौ में से दस परसेंट भरोसा जनता का वे जीत सकें परंतु इसकी उम्मीद कम ही दिखती है।

गिरगिट हो गए मगरमच्छ

एक खबर आई है कि नेपाल के चितवन पार्क में जो मगरमच्छ हैं वे अपना रंग बदल रहे हैं। भूरे रंग के बजाय नारंगी रंग के हो रहे हैं ये मगरमच्छ। सरकार भारी परेशान है कि इन मगरमच्छों को क्या हो गया अभी तक तो यह माना जाता था गिरगिट समय के साथ अपना रंग बदल देता है लेकिन अब मगरमच्छ अपना रंग बदलने लगे हैं वैसे मगरमच्छ के बनावटी पन को हर कोई जानता है इसलिए कहावत भी है मगरमच्छ के आंसू मत बहाओ लेकिन अब ये मगरमच्छ उससे भी बढ़कर अपना रंग बदलने में एक्सपर्ट हो गए हैं। वैज्ञानिक लोग पता लगाने में लगे हैं कि मगरमच्छ अपना कलर चेंज क्यों कर रहे हैं। अपनी वैज्ञानिकों को एक ही सलाह है कि काहे को इतनी माथापच्ची कर रहे हो ये भर पता लगा लो कि ये मगरमच्छ नेताओं के सानिध्य में तो नहीं है क्योंकि अगर नेताओं की संगत में रहे होंगे तो उन्हें रंग बदलने की प्रक्रिया समझ में आ गई होगी। कब कौन सा नेता कहां चला जाए, सुबह जिसको पानी पी पीकर कोसता हो शाम को उसकी तारीफ में कसीदे पढ़ता हुआ मिल जाए,कहा तो यह भी जाता है कि गिरगिट को भी रंग बदलने में थोड़ा वक्त लगता है लेकिन नेता एक मिनट भी नहीं लगाता इस पार्टी से उस पार्टी में कूदने में। अपने को तो पूरा भरोसा है कि ये जो मगरमच्छ हैं जरूर नेताओं के संपर्क में आए होंगे और उन्होंने सोचा होगा जब इंसान अपना रंग बदल देता है तो हम तो ठहरे जानवर ,हमें रंग बदलने से कौन रोक सकता है सो वे नारंगी हो गए। वैसे भी भूरा रंग कोई अच्छा नहीं माना जाता कोई चमक नहीं होती है इस रंग में लेकिन नारंगी रंग की चमक दूर से दिख जाती है। कल के दिन हो सकता है ये मगरमच्छ रेड, येलो ,ब्लू ,ब्लैक,परपल जैसे रंग भी अख्तियार करने लगें।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

मैच वाला चैनल लगाओ श्रीमान जी ने श्रीमती जी से कहा

नहीं लगाऊंगी क्या कर लोगे श्रीमती जी ने साफ मना करते हुए कहा

तो मैं देख लूंगा श्रीमान जी ने कड़क आवाज में उत्तर दिया

क्या देख लोगे श्रीमती जी ने भी गुस्से में पूछा

वोही चैनल जो तुम देख रही हो श्रीमान जी ने कहा (लेखक- चैतन्य भट्ट/ईएमएस)

शरीर, मन और आत्मा को जोड़ता है योग का धागा!

समस्त सृष्टि और संस्कार में योग समाहित है। योग विकारों से मुक्ति का मार्ग है। योग हमारे आध्यात्मिक और वैज्ञानिक ज्ञान का परिचायक है। योग की सार्थकता को दुनिया के लगभग सभी धर्मों ने स्वीकृति प्रदान की है। आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण साधन योग ही है। इसमें शरीर, मन और आत्मा को एक साथ लाने का गुण होता है। सनातन परम्परा में योग को काफ़ी महत्व दिया गया है। तभी तो श्रीमद्भागवत गीता में योग शब्द का कई मर्तबा उपयोग किया गया है, जैसे बुद्धि योग, सन्यास योग, कर्मयोग इत्यादि। श्रीमद्भागवत गीता में श्रीकृष्ण जी ने कहा ही है कि, योगः कर्मसु कौशलम। अर्थात कर्म में कुशलता ही योग है। इतना ही नहीं महर्षि पतंजलि ने योग दर्शन में कहा है कि, योगश्चित्तवृतिनिरोधः जिसका अर्थ हुआ चित की वृतियों के निरोध का नाम योग है। वहीं विष्णु पुराण के अनुसार - योगः संयोग इत्युक्त जीवात्म परमात्मने अर्थात जीवात्मा तथा परमात्मा का पूर्णतया मिलन ही योग है।

योग एक प्राचीन परंपरा है। जो लगभग 5 हजार वर्षों से अनवरत चली आ रही है और इस योग परंपरा को नरेंद्र मोदी जी की सरकार में काफ़ी बढ़ावा मिला है। आज विश्व के 200 से अधिक देश भारत की इस गौरवशाली वैदिक परंपरा का अनुसरण कर रहे और जीवन को बेहतर बनाने का जरिया योग को बना रहे हैं। तो इसके पीछे अहम योगदान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का है। उन्होंने योग को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का कार्य किया है। योग को वैश्विक मान्यता मिल चुकी है। ऐसे में अब, योग जीवात्मा और परमेश्वर के मिलन का साधन मात्र ही नहीं बल्कि ईश साधना का भी साध्य बन चुका है। गीता का छठवां अध्याय योग को समर्पित है। योग की ताकत कोरोना काल में दुनिया ने देखी है।

योग और प्राणायाम ने जहां कोरोना काल में फेफड़ें को मजबूती प्रदान की। वहीं ऑक्सीजन का स्तर भी बढाने में मदद की। प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति सत्व प्रधान रही है और योग जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग हुआ करता था। जिसे कोरोना काल में पुनः एक बार मजबूती मिली। कोरोना काल के बाद से लोग योगिक जीवनशैली के प्रति सचेत हुए हैं। जो एक सुखद संदेश है। योग स्वयं को स्वस्थ रखने और इम्यून शक्ति बढ़ाने का सबसे उपयोगी साधन है और यही वजह है कि इसको वैश्विक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करने का काम केंद्र की सरकार कर रही है।

21 जून को ही अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाए जाने के पीछे भी अपना वैज्ञानिक तर्क है। गौरतलब है कि 21 जून को उत्तरी गोलार्द्ध का सबसे लंबा दिन होता है और इसे ग्रीष्म संक्रांति के नाम से जाना जाता है। भारतीय परंपरा की मानें, तो ग्रीष्म संक्रांति के बाद सूर्य दक्षिणायन होता है और कहते हैं कि सूर्य जब दक्षिणायन में जा रहा होता है। उस समय आध्यात्मिक सिद्धियां प्राप्त करने का समय होता है। यही वजह है कि इस दिन को योग दिवस के रुप में पहचान दी गई।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भी योग, मन और शरीर पर कार्य करने के अलावा मानवीय संबंधों को संतुलित और मजबूत बनाता है। 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि, ''योग प्राचीन भारतीय परम्परा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है। योग अभ्यास शरीर एवं मन; विचार एवं कर्म; आत्मसंयम एवं पूर्णता की एकात्मकता तथा मानव एवं प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करता है तथा यह स्वास्थ्य एवं कल्याण का पूर्णतावादी दृष्टिकोण है। योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि स्वयं के साथ, विश्व और प्रकृति के साथ एकत्व खोजने का भाव है। योग हमारी जीवन शैली में परिवर्तन लाकर हमारे अन्दर जागरूकता उत्पन्न करता है तथा प्राकृतिक परिवर्तनों से शरीर में होने वाले बदलावों को सहन करने में भी सहायक हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का यह उद्बोधन अपने-आपमें योग का सविस्तार वर्णन है। योग को शब्दों में समेट पाना असंभव है। योग एक ऐसी प्रक्रिया है, जो जीवन में बदलाव लाने का साधन है।

इस बार हम सभी 21 जून को 09वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। जिसकी थीम वन वर्ल्ड, वन हेल्थ रखी गई है। ये थीम कहीं न कहीं भारतीयता और भारत के प्राचीनतम विचार''वसुधैव कुटुम्बकम'' के सिद्धांत से प्रेरित है। इस बार का एक सुखद पहलू यह भी है कि इसी बीच हमारा देश जी-20 की अध्यक्षता भी कर रहा है और आजादी का अमृतकाल मना रहा है। आजादी के अमृतकाल में योग के माध्यम से हम वसुधैव कुटुकम्बकम की भावना को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। जिसके माध्यम से हम न सिर्फ अपनी परंपरा और संस्कृति का प्रसार दुनिया में करने में सफल होंगे, अपितु ज्ञान परंपरा और ऋषि-मुनियों के मूल्यों को जीवित रख पाएंगे। योग शरीर और मन को शांत रखने का एक बेहतरीन तरीका है। यह शारीरिक और मानसिक अनुशासन का संतुलन बनाता है। इसके अलावा यह तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी मदद करता है। योग आसन शक्ति, शरीर में लचीलेपन और आत्मविश्वास को विकसित करने वाला कारक है। योग के माध्यम से हम अपने शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित कर सकते हैं। ऐसे में योग के महत्व को दुनिया को अंगीकार करने की आवश्यकता है और इस दिशा में दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है। (लेखिका - सोनम लववंशी/ईएमएस) स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी

आज का इतिहास 20 जून

1712 मुहम्मद बिन कासिम ने बाबर पर हमला कर वहाँ के शासक दाहिर को मार डाला.

1858 ग्वालियर पर कब्जा हुआ और इसी के साथ आजादी की पहली लड़ाई समाप्त हो गई.

1948 भारत के अंतिम गर्वनर जनरल लोर्ड माउण्टबेटन के कार्यकाल की समाप्ति.

1961 कुवैत को अरब लीग में शामिल किया गया.

1973 दस वर्ष से अधिक समय तक निर्वासित जीवन बिताने के बाद अर्जेन्टीना के पूर्व तानाशाह जुआन पेरो स्वदेश लौटे.

1991 जर्मनी के सांसदों ने बर्लिन को सत्ता का केंद्र बनाए जाने का प्रस्ताव पारित किया.

1995 उत्तर प्रदेश में मायावती सरकार को विश्वासमत प्राप्त.

1997 फिल्म निर्माता-निर्देशक बासु भट्टाचार्य का निधन.

1999 कारगिल में पाकिस्तानी घुसपैठियों की जी-8 ने निंदा की.

2000 केंद्र सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे रहनेवालों के लिये जनश्री बीमा योजना की घोषणा की.

2001 पाकिस्तान में जनरल मुशर्रफ ने राष्ट्रपति पद संभाला.

2007 प्रधानमंत्री ने ताला ट्रांसमिशन प्रणाली को राष्ट्र को समर्पित किया.

शब्द पहेली - 7682

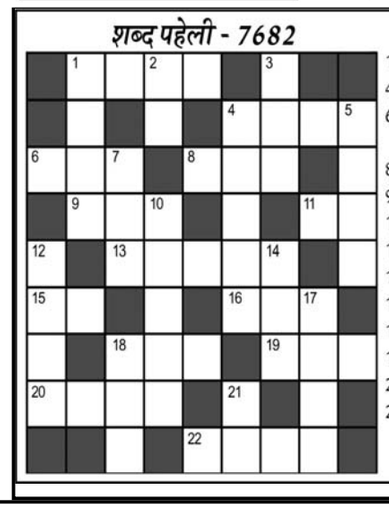

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. .....-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -7681 का हल

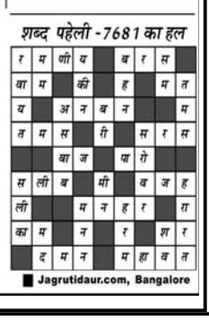

Jagrutidaur.com, Bangalore

सीटी स्कैन, एमआरआई और एक्सरे रिपोर्ट हुए पुराने.....जल्द एआई रेटिना स्कैन कर बीमारी का पता लगाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से स्कूल, कॉलेज या ऑफिस आदि के काम को जल्दी और सही किया जा सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एआई से जल्द बीमारी का भी पता लगा सकते और उससे ईलाज में भी मदद मिलेगी। ऐसा कहना गूगल के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर सुंदर पिचाई का है। दरअसल, टविटर पर एक वीडियो सामने आया है, जो गूगल के किसी पुराने इवेंट का है। इस वीडियो में पिचाई गूगल एआई की खूबियां बता रहे हैं। उन्होंने बताया है कि कैसे यह एआई सिस्टम मेडिकल सेक्टर में रेवोल्यूशनरी बदलाव लाएगा।

गूगल एआई जल्द ही कई सेक्टर को मजबूत करेगा। पिचाई ने बताया कि गूगल एआई के डीप एनालाइजेशन का इस्तेमाल करके सिर्फ आंख की रेटीना स्कैन कर कई बीमारियों का पता चल जाएगा। इतना ही नहीं यह बीमारियों का अनुमान भी लगा सकते हैं। इसके लिए ब्लड सैंपल और चीरा आदि लगाने की जरूरत नहीं होगी।

ट्विटर पर एक यूजर्स ने पिचाई का वीडियो शेयर करके लिखा है कि अब सिर्फ आई स्कैन से कई बीमारियों का पता लगाया जा सकेगा, जिसके लिए मौजूदा समय में सीटी स्कैन, एमआरआई और एक्सरे आदि किए जाते हैं। पिचाई ने बताया है कि सिर्फ एक रेटिना स्कैन से उम्र, लिंग,स्मोकिंग हैबिट, डायबिटीज, बीएमआई और ब्लड प्रेशर की जानकारी मिलेगी। वीडियो के मुताबिक, हर एक जानकारी में दो ऑप्शन दिए हैं, जिनमें से एक प्रीडिक्ट और एक्चुअल कंडिशन मिलेगी। वीडियो में बताया है कि गूगल एआई से सिर्फ एक डॉक्टर ढेरों मेडिकल रिपोर्ट्स को एनालाइज कर सकेगा। डॉक्टर ये अनुमान भी लगा सकते हैं कि 24 घंटे या 48 घंटे बाद पेशेंट की कंडिशन क्या हो सकती है। ऐसी कंडिशन में डॉक्टर को भर्ती करने में आसानी होगी।

खेल - समाचार

दीक्षा अपने करियर का दूसरा खिताब जीत नहीं पायी

ब्रेंडनबर्ग (ईएमएस)। भारत की शीर्ष महिला गोल्फर दीक्षा डागर जर्मन मास्टर्स में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहीं पर वह लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर अपने करियर का दूसरा खिताब हासिल नहीं कर पायी। दीक्षा ने एलईटी पर पिछले चार टूर्नामेंटों में तीसरी बार शीर्ष 10 में स्थान बनाया है। यह जर्मन मास्टर्स में उनका अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। गत वर्ष लाकोस्टे ओपन डि फ्रांस टूर्नामेंट भी भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। दीक्षा अंतिम दौर में आठ होल के बाद एक समय 14 अंडर के स्कोर के साथ ही शीर्ष पर भी थी पर नौवें, 10वें और 11वें होल में बोगी के साथ ही वह खिताबी दौड़ में पीछे हो गयीं। वहीं चेक गणराज्य की क्रिस्टीना नेपोलियोवा ने कुल स्कोर 14 अंडर के साथ ही पहले प्ले ऑफ होल में बर्डी के साथ ही इंग्लैंड की कारा गेनर को पीछे छोड़कर खिताब जीता।

एशिया कप से मिली रकाम नहीं लेता बीसीसीआई : चोपड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व क्रिकेटर और कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप के लिए गतिरोध समाप्त होने पर खुशी जताते हुए कहा कि अब हमें एक अच्छा टूर्नामेंट देखने को मिलेगा। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला श्रीलंका में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने एशिया कप सबसे ज्यादा सात बार जीता है और उसका इरादा एक बार फिर इसे जीतना रहेगा। चोपड़ा ने कहा है कि 7 एशिया कप से मिली रकम बीसीसीआई अपने पास नहीं रखता। चोपड़ा ने कहा कि जब से एशिया कप चल रहा है। इसके राजस्व से प्राप्त राशि का एक भी पैसा बीसीसीआई ने नहीं लिया और उसे एशियाई क्रिकेट परिषद के पास ही छोड़ दिया ताकि जिसे देश में क्रिकेट ढ़ाचा कमजोर है उसे बेहतर बनाया जा सके।

आकाश ने साथ ही कहा, बीसीसीआई एक भी रूपया नहीं लेता है क्योंकि उन्हें कम पैसे की जरुरत नहीं है। उनके पास पहले से बहुत पैसा है पर बाकि देश क्रिकेट के विकास के लिए ऐसा त्याग नहीं करते हैं। बाकि सभी सदस्य देश अपना हिस्सा ले लेते हैं। गौरतब है कि बीसीसीआई विश्व का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड है। पिछले कई सालों से बीसीसीआई ने भारत में क्रिकेट के विकास के लिए काफी विस्तार किया है।

चेन्नई में अफगानिस्तान और बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं खेलना चाहता पाक

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अक्टूबर-नवंबर में भारत में हो

67 साल में देश के 14 प्रधानमंत्रियों ने मिलकर लिया कुल 55 लाख करोड़ का कर्ज

9 साल में मोदी सरकार ने लिया 100 करोड़ से अधिक कर्ज

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में एक तरफ मोदी सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी तरफ अपने 9 साल के शासनकाल में सरकार ने कर्ज का बोझ बढ़ा लिया है। देश के 14 प्रधानमंत्रियों ने मिलकर 67 साल में कुल 55 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया। पिछले 9 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान का कर्जा तिगुना कर दिया। 100 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा कर्ज उन्होंने मात्र 9 साल में ले लिया। 2014 में सरकार पर कुल कर्ज 55 लाख करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 155 लाख करोड़ हो गया है। ये बात कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कही है। इसके बाद से ही भारत सरकार के कर्ज को लेकर चर्चा तेज हो गई है। बजट 2023, इकोनॉमिक सर्वे और संसद में वित्त मंत्री के जवाब से हमने कांग्रेस के दावे की पड़ताल की है।

केंद्रीय सरकार ने बजट की आधिकारिक वेबसाइट पर बताया है कि 31 मार्च 2023 तक भारत सरकार पर 155 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। अगले साल मार्च तक ये बढ़कर 172 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। इसके अलावा 20 मार्च 2023 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सांसद नागेश्वर राव के एक सवाल का लिखित जवाब दिया है। सांसद नागेश्वर राव ने सरकारी कर्ज के बारे में सवाल पूछा था। इसके जवाब में वित्त मंत्री सीतारमण ने भी कहा कि 31 मार्च 2023 तक भारत सरकार पर 155 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। इस हिसाब से देखें तो पिछले 9 साल में देश पर 181 प्रतिशत कर्ज बढ़ा है।

साल-दर-साल बढ़ा कर्ज

2004 में जब मनमोहन सिंह की सरकार बनी तो भारत सरकार पर कुल कर्ज 17 लाख करोड़ रुपए था। 2014 तक तीन गुना से ज्यादा बढ़कर ये 55 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस समय भारत सरकार पर कुल कर्ज 155 लाख करोड़ रुपए है। वित्त वर्ष 2014-15 के मुताबिक तब भारत सरकार पर कुल कर्ज 55 लाख करोड़ रुपए था। 2014 में देश की कुल जनसंख्या 130 करोड़ मान ली जाए तो उस समय हर भारतीय पर औसत कर्ज करीब 42 हजार रुपए था। अब 2023 में भारत सरकार पर कुल कर्ज बढ़कर 155 लाख करोड़ रुपए हो गया है। भारत की कुल आबादी 140 करोड़ मान लें तो आज के समय में हर भारतीय पर 1 लाख रुपए से ज्यादा कर्ज है। इसी तरह अब अगर विदेशी कर्ज की बात करें तो 2014-15 में भारत पर विदेशी कर्ज 31 लाख करोड़ रुपए था। अब 2023 में भारत पर विदेशी कर्ज बढ़कर 50 लाख करोड़ रुपए हो गए।

कर्ज कम होने की बजाय बढ़ गया

2014 में भाजपा ने सरकार बनाने से पहले जनता से वादा किया था कि वह भारत सरकार के कर्ज को कम करेगी, लेकिन पिछले 9 सालों में देश का कर्ज कम होने की जगह बढ़ा ही है। 2014 के बाद से अब तक मोदी सरकार ने विदेश से कुल 19 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया है, जबकि 2005 से 2013 तक 9 साल में यूपीए सरकार ने करीब 21 लाख करोड़ रुपए विदेशी कर्ज लिया। 2005 में देश पर विदेशी कर्ज 10 लाख करोड़ था, जो 2013 में बढ़कर 31 लाख करोड़ हुआ। यानी, 9 साल में 21 लाख करोड़ रुपए विदेशी कर्ज बढ़ा। 2014 से 2022 तक 33 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 50 लाख करोड़, यानी इन 9 साल में विदेशी कर्ज 19 लाख करोड़ रुपए बढ़ा। इससे एक बात साफ होती है कि 2014 के बाद एनडीए सरकार में देश का कर्ज कम नहीं हुआ है।

अफ्रीकी संघ को लेकर पीएम मोदी ने जी20 के नेताओं को पत्र लिखा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 के नेताओं को पत्र लिखा है। आधिकारिक सूत्र ने कहा कि पीएम मोदी ने जी20 देशों के नेताओं को पत्र लिखकर प्रस्ताव दिया है कि भारत में आगामी शिखर सम्मेलन में राजनयिक समूह की पूर्ण, स्थायी सदस्यता दी जाए। सूत्र ने कहा कि जी20 में अफ्रीकी संघ को पूर्ण सदस्यता देने का पीएम मोदी का प्रस्ताव अफ्रीका के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने और वैश्विक मामलों को आकार देने में साझेदारी को लेकर भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जी20 का समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर-सरकारी मंच है। सदस्य वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 प्रतिशत, वैश्विक व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व जनसंख्या का लगभग दो-तिहाई का प्रतिनिधित्व करते हैं। समूह में 19 देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इस वर्ष जी20 ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के अलावा बांग्लादेश, सिंगापुर, स्पेन और नाइजीरिया सहित नौ गैर-सदस्य अतिथि देशों को भी आमंत्रित किया।

सरकारी सूत्र ने अफ्रीकी संघ के प्रस्ताव के बारे बताया कि यह एक उचित, निष्पक्ष, अधिक समावेशी और प्रतिनिधि वैश्विक वास्तुकला और शासन की दिशा में एक सही कदम होगा। प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय मंचों, विशेष रूप से अफ्रीकी देशों की वैश्विक दक्षिण देशों की एक बड़ी आवाज होने में दृढ़ विश्वास रखते हैं। अफ्रीकी संघ (एयू) एक महाद्वीपीय निकाय है जिसमें 55 सदस्य देश शामिल हैं। भारत ने पिछले साल दिसंबर में जी20 की अपनी साल भर की अध्यक्षता शुरू की और इस साल के अंत में शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

बहनजी से गठबंधन पर अखिलेश का बयान, भाजपा को हराने सभी दल बड़ा दिल दिखाएं

लखनऊ (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पटना में होने वाली विपक्षी एकता बैठक से पहले समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। अखिलेश ने बसपा सुप्रीमो मायावती से गठबंधन पर सवाल का जवाब देकर कहा कि अभी तक सपा ने जितने भी गठबंधन किए। सभी बड़ी ईमानदारी से निभाए गए। हमें उम्मीद है कि बीजेपी को हराने के लिए सभी दल बड़े दिल से सपा के साथ आएंगे। उन्होंने संकेत देकर कहा कि 2019 में बीजेपी को कोई हरा पाया था केवल सपा-बसपा ने हराया। हमारा मानना है कि यूपी से बीजेपी हार जाएगी उसी दिन राजनीति से बाहर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 23 जून को होने वाली मीटिंग में बहुत कुछ तय होगा। नए सुझाव भी निकलकर सामने आएंगे।

उन्होंने कहा कि 2017 में कांग्रेस से और 2019 में बसपा से हमने गठबंधन किया। हमारे वोट प्रतिशत बढ़े पर बीजेपी को हरा नहीं पाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी को हराने के सभी दल बड़ा दिल लेकर सपा के साथ आएं। जैसा कि सपा ने पहले के गठबंधनों में बड़ा दिल दिखाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने ईमानदारी से गठबंधन के लिए वोट डलवाए।

सपा और बसपा ने लोकसभा चुनाव 2019 का चुनाव साथ मिलकर लड़ा था। इसके अलावा राष्ट्रीय लोकदल पार्टी भी गठबंधन में शामिल थी। हालांकि गठबंधन कुछ खास प्रभावित नहीं कर सका था। यूपी की 80 सीटों में से सपा को महज 5, तब बसपा को 10 सीटों पर जीत हासिल हो सकी थी। चुनाव के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने आरोप लगाया था कि सपा का वोट बसपा को नहीं मिला और गठबंधन से अलग होने का ऐलान कर दिया था।

दरअसल, बीजेपी सरकार को हराने के लिए विपक्षी एकता पर भाजपा विरोधी दलों की बैठक अब 23 जून को पटना में होगी। इसमें शामिल होने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित ज्यादातर विपक्षी दलों के आला नेताओं ने सहमति दे दी है। इनके अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमत सोरेन, शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डी. राजा, माकपा के राष्ट्रीय सचिव सीताराम येचुरी और भाकपा माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने भी 23 जून की बैठक में शामिल होने पर हामी भरी है।

स्वर्ण बांड योजना के लिए 5,926 रुपए निर्गम मूल्य तय

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने स्वर्ण बांड योजना (एसजीबी सावरेन गोल्ड बांड) 2023-24 की सोमवार से शुरू पहली किस्त के लिए सोने का निर्गम मूल्य 5,926 रुपए प्रति ग्राम तय कर ?दिया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि पहली किस्त में स्वर्ण बांड की खरीदारी 19 जून से 23 जून तक ही होगी। मंत्रालय ने कहा कि बांड के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले और डिजिटल माध्यम से भुगतान करने वाले निवेशकों को खरीद पर 50 रुपए प्रति ग्राम की छूट देने का निर्णय लिया गया है। ऐसे निवेशकों के लिए गोल्ड बांड की कीमत 5,876 रुपए प्रति ग्राम होगी। बांड को बैंकों, चिह्नित डाकखानों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) और शेयर बाजारों नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एवं बीएसई के माध्यम से बेचा जा सकेगा। सोने की भौतिक मांग कम करने और घरेलू बचत के एक भाग को सोना खरीद के जरिये वित्तीय बचत में बदलने के उद्देश्य से एसजीबी योजना पहली बार नवंबर, 2015 में लाई गई थी। स्वर्ण बॉन्ड की कीमत 999 शुद्धता वाले सोने की औसत बंद कीमत के आधार पर इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन तय करता है।

पीएम मोदी की पिछली अमेरिकी यात्रा से बहुत अलग हैं इस बार की उनकी यात्रा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाशिंगटन दौरे से कुछ दिन पहले उनके स्वागत का संदेश भेजने के लिए सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी रविवार की रात संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित स्थानों पर एकत्र हुए। वाशिंगटन डीसी क्षेत्र और उसके आसपास के कुछ सौ भारतीय-अमेरिकी एकता का संदेश देने के लिए राष्ट्रीय स्मारक के पास एकत्र हुए और प्रधानमंत्री को बताया कि वे शहर में उनके आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जून को अमेरिका की राजकीय यात्रा पर जा रहे हैं और एक दिन पहले संयुक्त राष्ट्र में योग दिवस 2023 मनाने के समारोह में शामिल होने के बाद 22 जून को कांग्रेस की संयुक्त बैठक को संबोधित करने वाले हैं।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी के लिए दुनिया का सुपरपावर मुल्क अमेरिका 22 जून को लाल कालानी बिछाए नजर आएगा और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हिन्दुस्तान के प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के तीसरे इसतरह नेता बनने की उपलब्धि हासिल करने वाले हैं, जिन्हें मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से ये सम्मान प्राप्त होगा। इसके पहले बाइडेन की तरफ से फ्रांस के इमानुएल मैक्रों और दक्षिण कोरिया के यून सुक येओल को ही राजकीय यात्रा और भोज के लिए आमंत्रित किया गया। पीएम मोदी की पिछली अमेरिका यात्राओं को वर्किंग विजिट (2014), वर्किंग लंच (2016) और आधिकारिक वर्किंग विजिट (2017) बताया गया था। वर्ष 2019 की उनकी यात्रा को अमेरिकी विदेश विभाग की वेबसाइट में ऐसी यात्रा बताया गया कि जिसमें उन्होंने ह्यूस्टन, टेक्सास में एक रैली मे भाग लिया।

राजकीय यात्राएं राज्य/सरकार के प्रमुख के नेतृत्व में विदेशी देशों की यात्राएं होती हैं, जो उनकी संप्रभु क्षमता में कार्य करती हैं। इसलिए उन्हें आधिकारिक तौर पर राजनेता का नाम की यात्रा के बजाय स्टेट विजिट के रूप में वर्णित किया जाता है। अमेरिका की राजकीय यात्राएँ केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर होती हैं, जो राज्य के प्रमुख के रूप में उनकी क्षमता में कार्य करते हैं। पीएम मोदी का यह दौरा ग्लोबल परिवेश में बेहद अहम माना जा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन की आक्रामक विस्तारवादी नीतियों के बीच इसे निर्णायक माना जा रहा है। हालांकि, रूस और यूक्रेन युद्ध में भारत अब तक तटस्थ ही है, लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों का दबाव है कि भारत रूस के खिलाफ सख्त स्टैंड लें।

मर्द 80 की उम्र तक रहता है जवान, उसे चौथी शादी करने का हक...

- बहुविवाह पर बोले मौलाना मदनी

नई दिल्ली(ईएमएस)। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि मर्द 80 साल की उम्र में भी जवान रहता है और वह तीन-चार शादी कर सकता है। मदनी ने बहु-विवाह को सही ठहराते हुए दावा किया कि इस्लाम के अनुसार, मर्द तीन-चार शादियां कर सकता है। मदनी के मुताबिक औरतें 45-50 साल की उम्र में बूढ़ी हो जाती हैं, जबकि मर्द 80 वर्ष की उम्र तक जवान रहता है। जब देश में समान नागरिक संहिता पर बहस छिड़ी हुई है, ऐसे में समय में मौलाना मदनी का बयान विवाद खड़ा करने वाला है। वहीं देश में तीन तलाक-बहु विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथाओं पर रोक लगाने की मांग भी की जा रही है।

मदनी के बयान की आलोचना करते हुए विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि यह उस सोच का असर है, जिसमें महिलाओं को भोग की वस्तु समझा जाता है, उनके साथ भेदभाव किया जाता है इसलिए मदनी की बातों पर कोई आश्चर्य नहीं है। इससे पहले भी कई बार मौलाना मदनी कह चुके हैं कि इस्लाम के अनुसार, अपनी जरूरतों को पूरा करो। ऐसे में पुरुष अपनी जरूरतों को पूरी करने के लिए कई शादियां कर सकता है। एक करे, दो, तीन या चार करे या तो वह तलाक देकर चौथी शादी करे या सबको साथ लेकर चले।

इस्लाम में इसकी इजाजत है। वहीं समान नागरिक संहिता पर मदनी ने कहा कि हम इसे कुबूल नहीं करते। 1300 सालों से मुस्लिम इस देश में रहते आए हैं। पहले यह मामला कभी नहीं आया, अब ऐसी कौन सी आफत आ गई है? साथ ही मदनी ने कहा कि हालांकि हम समान नागरिक संहिता के खिलाफ सड़कों पर नहीं उतरेंगे लेकिन विधि आयोग के सामने अपनी राय जरूर रखेंगे।

आदिपुरुष का विवाद पहुंचा नेपाल, काठमांडू में हिंदी फिल्मों का प्रदर्शन बंद

काठमांडू (ईएमएस)। फिल्म 'आदिपुरुष का ?विवाद अब नेपाल में भी पहुंच गया है, जहां सीता के ?चित्रण को लेकर लोग ?विरोध कर रहे हैं। ?फिल्म में आपत्तिजनक शब्दों और सीता के चित्रण को लेकर नेपाल में बवाल मचा हुआ है। नजीतन सोमवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। शहर के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह घोषणा की थी। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने काठमांडू महानगरीय क्षेत्र में सभी हिंदी फिल्मों पर प्रतिबंध लगाये जाने संबंधी फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 'आदिपुरुष फिल्म के एक संवाद को हटाये बिना प्रदर्शित करने से अपूरणीय क्षति होगी। मेयर शाह ने अपनी फेसबुक पोस्ट में कहा ?कि सोमवार, 19 जून से काठमांडू महानगरीय क्षेत्र में सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाएगी, क्योंकि फिल्म 'आदिपुरुष के संवाद में आपत्तिजनक शब्द अभी तक नहीं हटाए गए हैं। उन्होंने कहा ?कि हमने तीन दिन पहले फिल्म से 'सीता माता भारत की बेटी हैं वाले संवाद के आपत्तिजनक हिस्से को तीन दिन के भीतर हटाने के लिए पहले ही नोटिस जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति दी जाती है तो हमारी राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक एकता को अपूरणीय क्षति होगी। इसके बावाजूद मेयर शाह राजधानी शहर के सभी 17 सिनेमाघरों में वर्तमान में दिखाई जा रही सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन को रोकने के लिए भी प्रतिबद्ध दिखे।

?फिल्म के प्रदर्शन को लेकर केएमसी के प्रवक्ता नवीन मनंधर ने कहा ?कि केएमसी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार काठमांडू के सभी सिनेमाघर सोमवार से भारतीय फिल्मों का प्रदर्शन बंद कर देंगे। हम पहले ही काठमांडू में सिनेमाघर मालिकों से सहयोग के लिए बात कर चुके हैं और वे सोमवार से काठमांडू के सिनेमाघरों में स्वेच्छा से हिंदी फिल्मों की स्क्रीनिंग बंद करने पर सहमत हो गए हैं। सिनेमाघर सोमवार से हिंदी फिल्में दिखाने के बजाय नेपाली फिल्में दिखा सकते हैं। गौरतलब है ?कि आदिपुरुष शुक्रवार को पूरे भारत में हिंदी के साथ तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और तमिल भाषाओं में भी रिलीज हुई है।

खेलते-खेलते कार में घुसे दरवाजा हुआ लॉक, 3 नाबालिग बच्चों की दम घुटने से मौत

पुलिस पूरे शहर में बच्चों की तलाशी में जुटी रही

नागपुर (ईएमएस)। नागपुर में तीन नाबालिग बच्चों के शव मिलने से हड़कंप मच गया है। ये नाबालिग शहर के फारूक नगर इलाके से 17 जून से लापता थे। पुलिस के अनुसार, बच्चों की पहचान आफरीन खान (6), उसके चचेरे भाई आलिया खान (6) और तौफीक खान (4) के रूप में हुई है, जो शनिवार दोपहर लंच के बाद अपने घर के बाहर खेलने गए थे। बताया जा रहा है कि पास में एक लावारिस एसयूवी कार खड़ी थी, उसमें बच्चों ने खेलने के लिए प्रवेश किया, लेकिन किसी कारण फोर्ड कार के दरवाजे अपने आप बंद हो गए।

घटना के करीब 30 घंटे के बाद एक स्थानीय महिला ने वहां बदबू आने की शिकायत की। शिकायत के बाद लोग और पुलिस टीम एसयूवी की जांच के लिए मौके पर पहुंची। पुलिस को कार से तीनों बच्चों के शव बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक बच्चों ने जान बचाने के लिए पूरा संघर्ष किया। वाहन की धूल भरी विंडशील्ड पर बच्चों की उंगलियों के निशान थे। फिलहाल एसयूवी से शवों को निकाल लिया गया है। बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया गया है। पुलिस ने इस पूरी घटना की वीडियोग्राफी की है। जानकारी के मुताबिक कार नागपुर के एक स्थानीय व्यक्ति की थी, जिसे आसपास के एक गैरेज मैकेनिक द्वारा पावरलूम वर्कशॉप के बाहर पार्क किया गया था।

बता दें कि पंचपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई गुमशुदगी की शिकायत के बाद, लगभग 200 कर्मियों की अलग-अलग टीमों ने सीसीटीवी फुटेज को स्कैन किया, पड़ोस में घर-घर जाकर तलाशी ली और एक डॉग स्क्वायड भी वहां गया, लेकिन बच्चों को ट्रैक करने में विफल रहा। स्थानीय लोगों ने कहा कि आमतौर पर कारों को खुला छोड़ दिया जाता है, और बच्चे अक्सर अंदर खेलते हैं, लेकिन इस बार हो सकता है कि बच्चों ने अनजाने में कार लॉक कर फंस गए हों। पंचपोली पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तीनों बच्चों की मौत का कारण दम घुटना बताया गया है, जो अत्यधिक गर्मी की वजह से हुआ है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 216 , निफ्टी 70 अंक गिरा

मुम्बई (ईएमएस)। शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई पर कुछ देर बाद ही इसमें गिरावट हावी होने लगी जिससे बाजार नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 216.28 अंक करीब 0.34 फीसदी नीचे आकर 63,168.30 पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला निफ्टी 70.75 अंक तकरीबन 0.38 फीसदी फिसलकर 18,755.25 के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,574.69 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 63,047.83 तक आया। इसी तरह निफ्टी भी 70.55 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी गिरा। निफ्टी दिन के अंत में 18,755.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,881.45 की उंचाई तक गया और नीचे में 18,719.15 तक आया।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 10 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। बजाज फाइनैंस सबसे ज्यादा 2.24 फीसदी तक उछले, इसके अलावा फिनसर्व, टेक महिंद्रा, टीसीएस और सन फार्मा सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 20 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। कोटक बैंक के शेयर सबसे अधिक पांच 1.72 फीसदी तक फिसले। इसके अलावा सबसे ज्यादा नुकसान वाले पांच शेयरों में एक्सिस बैंक, एनटीपसी, एचयूएल और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी शामिल रहे।

इससे पहले शुक्रवार को सकारात्मक वैश्विक रुझानों के बीच प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुए थे। इसके साथ ही बैंकिंग, वित्तीय और पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मजबूती रही थी। कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती आने और विदेशी निवेशकों की लिवाली कायम रहने से भी बाजार की धारणा को बल मिला।

वर्ष 2025-26 तक प्रौद्योगिकी को जीडीपी का 25 प्रतिशत करने का लक्ष्य: आईटी मंत्री

वाशिंगटन (ईएमएस)। भारत के आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा ?कि केंद्र सरकार ने 2025-26 तक प्रौद्योगिकी को देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 20-25 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। चंद्रशेखर ने भारतीय अमेरिकी उद्यमियों से भारत में निवेश करने को कहा। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ है, विविधता आई है और इस समय तकनीकी क्षेत्र में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां भारतीय उद्यमी, भारतीय स्टार्टअप मौजूद नहीं हैं। चंद्रशेखर ने वैश्विक भारतीय प्रौद्योगिकी पेशेवर संघ के वार्षिक सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि सेमीकंडक्टर, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, ब्लॉकचेन और कंप्यूटिंग लैंग्वेज से लेकर उपभोक्ता इंटरनेट तक, हर जगह भारतीय उद्यमी मौजूद हैं। प्रौद्योगिकी का कोई भी क्षेत्र जिसे आप आज देखते हैं, वहां भारतीय स्टार्टअप, भारतीय उद्यमों और भारतीय नवप्रवर्तकों की महत्वपूर्ण उपस्थिति है। भारतीय नवाचार अर्थव्यवस्था 2014 में चार-पांच प्रतिशत से बढ़कर आज दस प्रतिशत हो गई है। हमारा लक्ष्य है कि प्रौद्योगिकी और डिजिटल अर्थव्यवस्था 2025-2026 तक कुल सकल घरेलू उत्पाद का 20 प्रतिशत होगी, जो लगभग 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। उस समय हमारा सकल घरेलू उत्पाद लगभग 5,000 अरब डॉलर होगा और इसका 20 प्रतिशत का प्रौद्योगिकी क्षेत्र होगा। हम इस लक्ष्य पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार इस लक्ष्य पर जोर दे रही है।

सोना सस्ता, चांदी की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वायदा बाजार में सोमवार को सोने के दाम में गिरावट देखने को मिली। हालांकि, चांदी की कीमत में बढ़त देखी गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अगस्त 2023 में डिलीवरी वाले सोने में 52 रुपए की गिरावट के साथ 59,302 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाले सोने का भाव 59,354 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। इस साल अक्टूबर में डिलीवरी वाले सोने में 22 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 59,595 रुपए के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में अक्टूबर अनुबंध वाले सोने का भाव 59,617 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था। एमसीएक्स पर जुलाई 2023 में डिलीवरी वाली चांदी में 86 रुपए की तेजी के साथ 72,774 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पहले जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 72,688 रुपए प्रति किलोग्राम के लेवल पर रही थी। इस तरह सितंबर 2023 में डिलीवरी वाली चांदी में 99 रुपए की बढ़त के साथ 73,925 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर चल रहा था। पिछले सत्र में सितंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 73,826 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इसी प्रकार दिसंबर 2023 में डिलीवरी वाली चांदी में 135 रुपए की तेजी के साथ 75,335 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही थी। इससे पिछले सत्र में दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 75,200 रुपए प्रति किलोग्राम थी। कॉमेक्स पर अगस्त 2023 में डिलीवरी वाले सोने में 0.19 फीसदी की गिरावट के साथ 1,967.40 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर थी। इसी तरह स्पॉट मार्केट में इसमें 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 1,956.09 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार हो रहा था।

ग्रीस नाव त्रासदी में एक्शन में शाहबाज सरकार, मानव तस्करों का पता लगाने में जुटी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने ग्रीस नाव त्रासदी के पीछे मानव तस्करों का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच की घोषणा की, जिसके कारण भूमध्य सागर में सैकड़ों नागरिकों की मौत हो गई। अब तक पाकिस्तान में कई स्थानों से मानव तस्करी के लिए जिम्मेदार कम से कम 10 उप-एजेंटों को गिरफ्तार किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 400 पाकिस्तानी, 200 मिस्र और 150 सीरियाई, जिनमें लगभग दो दर्जन सीरियाई महिलाएं और छोटे बच्चे शामिल हैं, ट्रॉलर पर यात्रा कर रहे थे। हालाँकि, ग्रीस प्रशासन या पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी कि लापता 500 प्रवासी मृत हैं या अभी भी जीवित हैं। कई मीडिया ने बताया कि इस्लामाबाद के नागरिक ने सभी के मारे जाने की बात कही हैं। नौका हादसे में सैकड़ों लोगों के लापता होने से देश शोक में है।

जैसा कि घटना ने कंगाल राष्ट्र में नागरिकों की विकट स्थिति को उजागर किया, पीएम शरीफ ने तस्करी की जांच के लिए एक समिति का गठन किया, क्योंकि उन्होंने नाव त्रासदी के कारण शोक की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा, कल, राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और मृतकों के लिए विशेष प्रार्थना की जाएगी। चार सदस्यीय समिति एक सप्ताह में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। हताहतों की संख्या का पता लगाया जा रहा है।

जांच समिति नाव त्रासदी के तथ्यों का पता लगाएगी और प्रवर्तन तंत्र में खामियों की पहचान करेगी जिसने पाकिस्तानियों को इस विशेष मामले में मानव तस्करी की सनक से अवगत कराया। रविवार को गिरफ्तार किए गए लोगों में प्रमुख मानव तस्कर चौधरी जुल्करनैन, तलत कियानी, खालिद मिर्जा और साजिद महमूद के सब-एजेंट या एजेंट शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, संदिग्धों ने तस्करों के नाम और उनकी कार्यप्रणाली सहित चौंकाने वाले खुलासे किए।

यूरोप में शरण लेने जा रहे 300 से अधिक पाकिस्तानियों की नाव डूबने से मौत

कराची (ईएमएस)। नाव डूबने से 300 से अ?धिक पा?किस्ता?नियों की मौत होने के समाचार ?मिले हैं। जानकारी के अनुसार ग्रीस के तट पर एक भरी हुई नाव के पलट जाने से 300 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है ?कि युद्ध, उत्पीड़न और गरीबी से परेशान ये लोग यूरोप में शरण लेने के इरादे से जा रहे थे। मी?डिया में आई ?रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की सीनेट के अध्यक्ष मुहम्मद सादिक संजरानी ने एक बयान में मृतकों की संख्या का खुलासा किया। हालां?कि ग्रीक अधिकारियों ने अभी तक पाकिस्तान के मरने वालों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि पाकिस्तान दशकों में अपने सबसे खराब आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बेहतर भविष्य की तलाश में खतरनाक रास्तों से यूरोप जाने वाले पाकिस्तानियों का मामला पूरे देश में गूंज रहा है।

इधर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नाव डूबने से मरने वालों के लिए सोमवार को राष्ट्रीय शोक घोषित किया। एक ट्वीट में उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। शरीफ ने लिखा, मैं देश को विश्वास दिलाता हूं कि अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। जांच के बाद जिम्मेदारी तय की जाएगी और कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी (आईओएम) ने कहा कि पिछले सप्ताह नाव पलटने के दौरान करीब 750 पुरुष, महिलाएं और बच्चे इसमें सवार थे। हादसे में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। यह भूमध्य सागर में सबसे खराब त्रासदी में से एक थी।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने के पहले रेगुलर व डायरेक्ट प्लान जानना जरुरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जरुरी जानकारी लेना चा?हिए, ता?कि बेहतर आय ?मिल सके। इस पर हमेशा निवेशकों के सामने दो प्रकार के विकल्प आते हैं। पहला- डायरेक्ट प्लान और दूसरा- रेगुलर प्लान होता है। कई बार निवेशक निवेश करते समय इन दोनों के बीच के अंतर को समझे बिना किसी में भी निवेश कर देते हैं। इससे उन्हें बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। डायरेक्ट और रेगुलर म्यूचुअल फंड में अंतर होता है और ये आपके रिट

सुरक्षा को लेकर हाई लेवल मीटिंग हुई

भगवान जगन्नाथजी की १४६वीं रथयात्रा आज निकलेगी

अहमदाबाद शहर में रथयात्रा मार्ग समेत अन्य इलाकों में ड्रोन, ३डी मैपिंग, जूम कैमरा और एंटी ड्रोन गन के साथ पुलिस अलर्ट पर रहेगी

अहमदाबाद, १९ जून।

अहमदाबाद में मंगलवार को होने वाली १४६वीं रथ यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। भगवान की रथ यात्रा से पूर्व पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में पुलिस का भव्य पूर्वाभ्यास किया गया। पुलिस ने यात्रा के २२ किमी रूट पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। भगवान जगन्नाथ की यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की देखभाल के लिए २५ वॉच टावरों पर पुलिस तैनात रहेगी।

अहमदाबाद में रथयात्रा के मार्ग सहित अन्य इलाकों में ड्रोन, थ्रीडी मैपिंग, जूम कैमरा और एंटी ड्रोन गन से पुलिस अलर्ट रहेगी और १५ हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे. रथ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो इसके लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का श्रद्धालुओं को बेसब्री से इंतजार था, वह घड़ी अब आ गई है। आषाढ़ी बीज के दिन नाथ की रथयात्रा निकलेगी। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा से पहले जगन्नाथजी का नेत्रोत्सव समारोह आयोजित किया गया। मामा के घर से अपने ही मंदिर लौटने के बाद बहन सुभद्रा और भाई बलराम की आंखों पर पट्टी बंधी थी। नेत्रोत्सव के बाद ध्वजारोहण किया गया। दूसरी ओर साधु-संतों के लिए भंडारा का भी आयोजन किया गया। जगन्नाथ मंदिर में रथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।

भगवान की रथ यात्रा के अब गिनती के घंटे शेष हैं। उस समय मंदिर प्रबंधन द्वारा भगवान के तीनों लाडले पुत्रों के सरसपुर में स्वागत की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रथ यात्रा को लेकर पुलिस महकमा भी सभी तैयारियों से लैस है। सरसपुर में भगवान के भक्तों के स्वागत के लिए हर बार की तरह रसोइयों में भोजन परोसने और भावी भक्तों को प्रसाद बनाने के लिए गुलजार रहता है. भावी भक्तों को पर्याप्त प्रसाद मिले इसके लिए रसोई शुरू कर तरह-तरह के पकवान बनाए जा रहे हैं। साथ ही मोसल के मंदिर के पास लुहार स्ट्रीट पर पिछले ४६ साल से सरसपुर की सबसे बड़ी रसोई चल रही है। जहां तरह-तरह के व्यंजन बनाए जा रहे हैं। जो रथ यात्रा के दिन लोगों को प्रसादी के रूप में दिया जाएगा। एक अनुमान के मुताबिक करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु सरसपुर आते हैं।

भगवान जगन्नाथ जी के आशीर्वाद लेकर शक्तसिंह

गोहिल ने संभाला गुजरात कांग्रेस प्रमुख का कामकाज

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने आज गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रदेश प्रमुख का पदभार संभाल लिया। प्रमुख पदभार संभालने से पहले शक्तिसिंह गोहिल ने भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में जाकर उनके दर्शन कर आशीर्वाद लिए। जिसके पश्चात शास्त्रोक्त विधि के साथ अपनी नई जिम्मेदारी संभाली। इस मौके पर गुजरात प्रदेश कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। प्रमुख का पदभार संभालने के बाद गोहिल ने मीडिया के साथ बातचीत करते हुए कहा कि हम आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति बना रहे हैं। गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील के राज्य की सभी 26 सीटें और वह भी पांच लाख की लीड जीतने के बयान पर शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि यह उनका अहंकार बोल रहा है। उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस छोड़कर गए हैं मुझे उम्मीद वह सभी घर वापसी करेंगे। मुझे गुजरात कांग्रेस का प्रमुख बनाना यह पार्टी हाईकमान का फैसला है और मैं केवल कांग्रेस का एक सैनिक हूं। गोहिल ने कहा कि गुजरात कांग्रेस में कोई गुटबंदी नहीं है। गौरतलब है कि शक्तिसिंह गोहिल गुजरात के वरिष्ठ राजनेता हैं और राज्य की राजनीति से भलीभांति परिचित हैं। स्वच्छ छवि और संगठन के अनुभव के साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में स्वीकृत हैं। अर्थहीन बयानबाजी के बजाए मुद्दों को तर्क के साथ पेश करने वाले शक्तिसिंह गोहिल कांग्रेस हाईकमान के विश्वासपात्र हैं। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस हाईकमान ने गुजरात कांग्रेस का प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल को बनाया है।

कांग्रेस पर कटाक्ष के साथ पटिल ने लोकसभा चुनावों के लिए मांगा समर्थन

अहमदाबाद, १९ जून।

बिपरजॉय चक्रवात के गुजरने के बाद बीजेपी फिर से चुनावी मूड में आ गई है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने बनासकांठा में अलग अंदाज में नजर आए। पाटिल ने कहा कि १५६ की जीत तो ट्रेलर है। पाटिल ने कहा कि आप सभी ने १५६ सीटों की जीत दिलाई। इसके लिए आप सभी का बहुत-बहुत आभार है। मैं तो तीन साल पहले ही प्रमुख बना। अगले महीने तीन साल पूरे होंगे। आप सभी ने दो बार २६ की २६ की सीटें जिताईं। पाटिल ने कहा आने वाले लोकसभा चुनाव में फिर से २६ सीटें जितानी हैं लेकिन इस बार हर प्रत्याशी के जीत का अंतर पांच लाख वोटों का होना चाहिए।

पाटिल ने लोगों के संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले आप सभी ने १५६ सीट देकर ट्रेलर दिखा दिया है। तीसरी बार भी २६ लोकसभा सीटें बीजेपी को जितानी हैं। गुजरात विधानसभा चुनावों में सीआर पाटिल को बड़ी जीत का श्रेया मिला था। पाटिल ने कहा आप सभी ने १५६ सीटें मोदी जी के चरणों में रखीं। इसके लिए आप सभी का आभार है। पाटिल ने हमने निश्चय किया है कि हर उम्मीदवार पांच लाख वोटों से जीतना चाहिए। पाटिल जुलाई, २०२० में गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष बने थे। उन्होंने जीतू वाघाणी की जगह ली थी। प्रदेश में लोकसभा की २६ सीटें हैं। इन पर दो बार से बीजेपी का कब्जा है। कांग्रेस के पास एक भी सीट नहीं है। पाटिल इस बार के लोकसभा चुनावों में सभी सीटों पर पांच लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज करकर नया कीर्तिमान बनाना चाहते हैं। पाटिल खुद नवसारी से तीसरी बार लोकसभा के सदस्य हैं। वे पिछले लोकसभा चुनावों में देश में सर्वाधिक वोटों से जीते थे। उन्होंने ६,८९,६८८ वोटों से जीत हासिल की थी। पाटिल को खुद ८,२०,८३१ वोट मिले थे, जोकि कुल मतों के ७४.३७ फीसदी थे।

गुजरात के मुख्यमंत्री ने 146वीं रथयात्रा की पूर्व संध्या पर जगन्नाथ जी मंदिर में की संध्या आरती

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद में मंगलवार को भगवान जगन्नाथ जी की 146वीं रथयात्रा निकलने वाली है। परंपरा के मुताबिक राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने रथयात्रा की पूर्व संध्या पर अहमदाबाद के जगन्नाथ जी के मंदिर में संध्या आरती की। मुख्यमंत्री ने स्वर्ण वेशभूषा में सज्ज भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लिए। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल मंगलवार की सुबह भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में पहिंद विधि करेंगे और रथयात्रा का प्रस्थान करवाएंगे। परंपरा है कि राज्य का मुखिया सोने की झाड़ू से रथयात्रा के मार्ग को साफ करता है, जिसे पहिंद विधि कहा जाता है। पहले के जमाने में पहिंद विधि राजा-महाराजा किया करते थे, लेकिन अब यह अधिकार राज्य के मुख्यमंत्री को मिला है। मान्यता है कि राज्य का राजा भगवान जगन्नाथ जी का पहला सेवक होता है, इसीलिए वह रथयात्रा से पहले उसके मार्ग को सोने की झाड़ू से साफ करता है। उसके बाद ही भगवान रथों में सवार होकर नगरचर्या पर निकलते हैं। मुख्यमंत्री के तौर पर भूपेन्द्र पटेल कल लगातार दूसरी बार पहिंद विधि करेंगे। उससे पहले राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी करते थे। भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। शांतिपूर्ण माहौल रथयात्रा पूर्ण करने के लिए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के लिए उपलब्ध नहीं होंगे

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मंगलवार, 20 जून को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के करकमलों से गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री के साथ मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री अपने इन कार्यक्रमों के कारण मंगलवार, 20 जून, 2023 को आम नागरिकों, सांसदों, विधायकों या आगंतुकों से मुलाकात के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

रथयात्रा पर अमित शाह देंगे 75 करोड़ की सौगाद, जगन्नाथ जी मंदिर में मंगला आरती में भी शामिल होंगे

अहमदाबाद ,केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह फिर एक बार गुजरात आ रहे हैं। मंगलवार को रथयात्रा पर अमित शाह अहमदाबाद और गांधीनगर को 75 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की भेंट करेंगे। इससे पहले अहमदाबाद के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में रथयात्रा के प्रस्थान करने से पहले प्रातःकाल मंगला आरती में भी शामिल होंगे। बता दें कि केन्द्रीय अमित शाह पिछले कई वर्षों से रथयात्रा के प्रस्थान होने से पहले मंदिर में प्रातःकाल होनेवाली मंगला आरती में शामिल होते आए हैं। केन्द्रीय मंत्री अमित शाह 20 जून की सुबह अहमदाबाद के भगवान जगन्नाथ जी मंदिर में सुबह 3.45 जे मंगला आरती में शामिल होंगे। जिसके पश्चात अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा शहर के न्यू राणीप में बनाए गए पार्क का सुबह 9.15 बजे उदघाटन करेंगे। सुबह 9.30 बजे अमित शाह चांदलोडिया में जगतपुर रेलवे फ्लाइओवर ब्रिज का उदघाटन करेंगे। यह ब्रिज अहमदाबाद महानगर पालिका और रेलवे ने बनाया है। जिसके पश्चात अमित शाह अहमदाबाद के क्रेडाई गार्ड में पिपल्स पार्क का सुबह 10 बजे उदघाटन करेंगे। सुबह 11.30 बजे अमित शाह अहमदाबाद के बावला में त्रिमूर्ति अस्पताल की आधारशिला रखेंगे।

गुजरात कांग्रेस के प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल समेत वरिष्ठ नेताओं को पार्टी हाईकमान ने दिल्ली बुलाया

अहमदाबाद (ईएमएस) आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस एक्शन मोड में आ गई है। लंबे समय से गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख बदले जाने की चर्चा पर पार्टी हाईकमान विराम लगा दिया है। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को गुजरात कांग्रेस का प्रदेश प्रमुख नियुक्त किया है। शक्तिसिंह गोहिल को गुजरात संगठन की कमान मिलने के बाद अब लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी कड़ी में गुजरात कांग्रेस के नेताओं को दिल्ली से बुलावा आया है। गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। गुजरात कांग्रेस के नेताओं के साथ राहुल गांधी 22 जून को बैठक करेंगे। कहा जा रहा है कि दिल्ली में होनेवाली इस बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर गुजरात के लिए रणनीति बनाई जाएगी। इस बैठक में गुजरात कांग्रेस के नवनियुक्त प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल, पूर्व प्रदेश प्रमुख जगदीश ठाकोर, भरतसिंह सोलंकी, अर्जुन मोढवाडिया, अमित चावड़ा के अलावा सुखराम राठवा और परेश धानाणी भी शामिल होंगे। बता दें कि कुछ समय पहले भी गुजरात कांग्रेस के नेताओं के साथ पार्टी हाईकमान महत्वपूर्ण बैठक की थी। जिसमें जगदीश ठाकोर, अमित चावड़ा, अर्जुन मोढवाडिया, शक्तिसिंह गोहिल, भरतसिंह सोलंकी समेत नेता शामिल हुए थे। इसी बैठक के बाद शक्तिसिंह गोहिल को गुजरात कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की गई थी। गुजरात कांग्रेस के नवनियुक्त प्रमुख शक्तसिंह गोहिल के समक्ष बड़ी चुनौतियां हैं। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं में विश्वास पैदा करना। 2022 के विधानसभा चुनाव में शर्मनाक हार के बाद कार्यकर्ताओं में हताशा है। कांग्रेस में नए और युवा चेहरे लाना तथा संगठन को मजबूत करना। निर्वाचित प्रतिनिधियों को कांग्रेस छोड़ने से रोकना और प्रदेश कांग्रेस में गुटबंदी को खत्म करना। आगामी 2 जिला पंचायत और 70 नगर पालिका के चुनाव महत्वपूर्ण टास्क हैं। ऐसे में सभी कार्यकर्ता टीम कांग्रेस बनकर काम करें यह जरूरी है।

रथयात्रा से पूर्व पीएम मोदी ने भगवान जगन्नाथ जी मंदिर में प्रसाद भेज वर्षों की परंपरा निभाई

अहमदाबाद (ईएमएस) नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद भले ही दिल्ली चले गए हों, परंतु भगवान जगन्नाथ जी के प्रति उनकी आस्था और भावना आज भी जुड़ी है। नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब भी अहमदाबाद स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में रथयात्रा से पूर्व प्रसाद भेजते थे और वहीं परंपरा दिल्ली पहुंचने के बाद भी बरकरार रखे हुए हैं। 2014 में देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद भी उसी परंपरा का अनुसरण करते हुए मोदी हर साल रथयात्रा से पूर्व जगन्नाथ जी मंदिर में प्रसाद भेज रहे हैं। 20 जून मंगलवार को अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की ऐतिहासिक 146वीं रथयात्रा निकलेगी और उससे पहले पीएम मोदी परंपरा का निर्वहन करते हुए प्रसाद भेजा है। प्रसाद में मूंग, जामून और आम शामिल हैं। मंदिर में प्रसाद अर्पण करते समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रतिनिधि के तौर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। गौरतलब है नरेन्द्र मोदी जब 1970 में अहमदाबाद आए थे, तब शहर के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर परिसर स्थित एक छोटा कमरा उनका अस्थायी ठिकाना था। इसी कमरे से मोदी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का काम के साथ ही मंदिर में गौ सेवा भी करते थे। प्रति दिन मोदी मंगला आरती में अचूक शामिल होते थे। रथयात्रा के दौरान देश के विभिन्न राज्यों से आए साधु-संतों के संपर्क करते थे। करीब 3-4 साल तक मंदिर के कमरे में रहने के बाद मोदी अहमदाबाद के मणीनगर स्थित संघ के नए भवन में रहने लगे। हालांकि भगवान ने मोदी के लिए कुछ और ही सोच रखा था। वर्ष 2001 में नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने और परंपरा के मुताबिक 2002 में रथयात्रा की महत्वपूर्ण पहिंद विधि की। वर्ष 2002 से 2013 तक नरेन्द्र मोदी ने लगातार 12 वर्ष तक पहिंद विधि कर रथयात्रा का प्रस्थान करवाया। नरेन्द्र मोदी गुजरात के ऐसे मुख्यमंत्री थे जिन्होंने सबसे ज्यादा बार पहिंद विधि की थी। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेन्द्र मोदी दिल्ली भले चले गए, लेकिन भगवान जगन्नाथ जी के प्रति उनकी आस्था तनिक भी कम नहीं हुई है। पीएम मोदी हर साल प्रसाद के तौर पर जामून, मूंग और आम वैसे ही भेजते हैं, जैसे गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भेजते थे। इस परंपरा को पीएम मोदी ने दिल्ली में रहते हुए भी बरकरार रखी है।

जोधपुर मंडल में भारी बारिश से उत्पन्न अवरोधों के कारण अहमदाबाद मण्डल की कुछ ट्रेने प्रभावित रहेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) बिपरजॉय चक्रवात के चलते उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के समदड़ी-भीलड़ी रेलखंड में भारी बारिश और जलभराव से उत्पन्न अवरोधों के कारण अहमदाबाद मण्डल की कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। जिसका विवरण इस प्रकार है:

निरस्त होने वाली ट्रेनें

1. दिनांक 20.06.2023 की ट्रेन संख्या 04841 जोधपुर-भीलड़ी स्पेशल
2. दिनांक 20.06.2023 की ट्रेन संख्या 04842 भीलड़ी-जोधपुर स्पेशल
3. दिनांक 20.06.2023 की ट्रेन संख्या 14893 जोधपुर-पालनपुर एक्सप्रेस
4. दिनांक 21.06.2023 की ट्रेन संख्या 14894 पालनपुर-जोधपुर एक्सप्रेस

गोहिल की 'घर वापसी' कॉल को पाटिल ने दिया झटका

डीसा के पूर्व कांग्रेस विधायक गोवा रबारी बीजेपी में शामिल

बनासकांठा में सीआर पाटिल की मौजूदगी में पहना केसरिया : पाटिल ने कहा कि पहले आ जाते तो आज में सरकार में होते

अहमदाबाद, १९ जून।

गुजरात में कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल की ताजपोशी के बाद राजनीति गरमाती दिख रही है। गोहिल ने राज्य में इस्तीफा देकर गए कांग्रेस नेताओं से पार्टी में वापस लौटने की अपील की है, तो वहीं बीजेपी ने गोहिल की अपील के बाद उन्हें एक बड़ा झटका दिया है। पार्टी के उत्तर गुजरात कद्दावर नेता और पूर्व विधायक गोवाभाई रबारी बीजेपी में शामिल हो गए। बनासकांठा में आयोजित एक बड़े कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने उन्हें केस और टोपी पहनाकर पार्टी में शामिल किया। गोवाभाई रबारी ने शक्ति सिंह गोहिल के चार्ज संभालने से कुछ घंटे पर ही पार्टी छोड़ी।

बनासकांठा की डीसा सीट से विधासक रहे गोवाभाई रबारी बीजेपी में अपने बेटे सागर रबारी और दूसरी पदाधिकारियों के साथ शामिल हुए। इस मौके पर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने कांग्रेस पर तंज भी कसा और कहा कि मुझे आप सभी का प्रेम और उत्साह देकर लग रहा है कि गोवा भाई ने आने में थोड़ी देर की। अगर थोड़ा पहले आते तो आज गोवा भाई भी गुजरात सरकार में किसी जगह पर बैठे होते। चलो देर आए दुरस्त आए। पाटिल ने कहा कि जो समाज की अगुवाई करता हो और समाज के लोगों को हक न दिलवा सके। गोवाभाई रबारी को पता चला कि जिस पार्टी के साथ जुड़ा हूं। उसके साथ रहकर मैं अपने लोगों को हक दिलाव पाऊं गा। काम नहीं करवा पाऊं गा। इसके बाद उन्होंने बीजेपी से जुड़ने का फैसला किया है। पाटिल ने कहा कि नरेंद्र मोदी गुजरात के तो हैं लेकिन गुजरात में भी वे उत्तर गुजरात के हैं। इसलिए उनपर सबसे ज्यादा हक आप सभी का है। इतना ही नहीं अमित शाह भी उत्तर गुजरात के हैं। दो-दो महारथी उत्तर गुजरात से हैं। गोवा रबारी ने ऐसे वक्त पर पार्टी छोड़कर गए हैं जब कांग्रेस के नए प्रमुख बने शक्तिसिंह गोहिल ने घर वापसी की कॉल दी है।

जहां सुझाव देने की जरूरत हो, वहां सुझाव दें. जहां आलोचना की जानी है वहां तथ्यों के साथ आलोचना करें। अलग-अलग कार्यक्रम होने के बावजूद मुझे प्यार देने के लिए सभी नेताओं का धन्यवाद। हम गुजरात के लोगों के लिए एक सकारात्मक एजेंडा लेकर जाएंगे। मैं उन सभी का स्वागत करता हूं जिन्होंने विभिन्न कारणों से कांग्रेस छोड़ी है। यह हमारी पार्टी है, हम एक विचारधारा के साथ आगे बढ़ेंगे। मैं समाज के उन सभी लोगों का स्वागत करने के लिए तैयार हूं जो कांग्रेस में शामिल होना चाहते हैं।

गुजरात के नए प्रदेश अध्यक्ष घोषित किए जाने के बाद १८ जून को शक्तिसिंह गोहिल ने पदयात्रा की थी और फिर पार्टी ऑफिस पहुंचकर प्रेस कांफ्रेंस की थी। इसमें गोहिल ने मैं उन सभी का स्वागत करता हूं जिन्होंने विभिन्न कारणों से कांग्रेस छोड़ी है। गोहिल ने कहा ऐसे सभी नेता वापसी पर विचार करें। गोहिल की अपील के अगले ही दिन ३५ साल से उत्तर गुजरात में दबदबा रखने वाले गुजरात कांग्रेस के दिग्गज नेता गोभाई रबारी ने कांग्रेस से विदाई लेते हुए बीजेपी का दामन थाम लिया। गुजरात विधानसभा चुनावों से पहले भी काफी नेताओं और विधायकों ने पार्टी छोड़ी थी और बीजेपी का केसरिया धारण किया था। गोवा रबारी बेटे संजय रबारी के साथ भाजपा में शामिल हुए। ऐसा माना जा रहा है कि वरद विधायक और विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी और बनासकांठा प्रभारी मंत्री बलवंत सिंह राजपूत ने गोवाभाई रबारी को भाजपा में लाने की कोशिश की। जो कि सफल रही।

एसटी डिपो से देशी पिस्टल के साथ एक को पकड़ लिया गया

जामनगर, १९ जून।

जामनगर जिले के जामजोधपुर में एस.टी. जामनगर के एक व्यक्तिको पुलिस ने कल डिपो से रोका और उसके पास से एक देसी पिस्तौल (कट्टा) जब्त की गयी और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया। इस शिकायत के संबंध में घटना का विवरण यह है कि जामनगर के शोर सेक्शन रोड स्थित मंगलम अपार्टमेंट में रहने वाला प्रेम उर्फ शमलो किशोरभाई सोमैया नाम का व्यक्ति कल जामजोधपुर थाने के पास संदिग्ध हालत में मिला था। जामजोधपुर पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से एक देशी रिवॉल्वर (कट्टा) बरामद हुई। इसलिए उसे पुलिस ने हिरासत में लिया और जामजोधपुर थाने ले गई। वहीं, उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा २५-बी और जीपी एक्ट की धारा १३५-१ के तहत अपराध दर्ज किया गया है, और आगे की पूछताछ जारी है. यह कार्रवाई जामजोधपुर के नीति निरीक्षक सीएच. पनारा व स्टाफ के प्रजनराजसिंह जडेजा, संजयभाई करंगिया व अशोकभाई गागिया आदि ने किया।

पश्चिम रेलवे के उधना रेलवे स्टेशन को आइकॉनिक लैंडमार्क के रूप में किया जायेगा विकसित

भारतीय रेल द्वारा देश के प्रमुख स्टेशनों को आधुनिक और विश्वस्तरीय स्टेशनों में बदलने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अपग्रेडेशन और आधुनिकीकरण के लिए देश भर में 1275 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें से 87 रेलवे स्टेशन गुजरात में हैं। नवीनतम इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं के साथ उधना रेलवे स्टेशन के कायापलट से नई नौकरियों के सृजन के साथ-साथ अर्थव्यवस्था पर भी बड़ा प्रभाव पड़ेगा। माननीय प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप उधना रेलवे स्टेशन का नया रूप और लेआउट रेलवे स्टेशन को एक महत्वपूर्ण स्थान के रूप में बदलने और ठनए भारत की नई रेलठ बनने के लिए डिज़ाइन किया गया है। परियोजना का उद्देश्य वास्तुकला के साथ-साथ प्रबंधन पहलुओं के संदर्भ में अपनी अंतरराष्ट्रीय अपील के आधार पर खड़ा होना है; इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार उधना रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की परिकल्पना की गई है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार उधना रेलवे स्टेशन को 223.6 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से एक आधुनिक स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है और इस कार्य को 24 महीनों में पूर्ण करने का लक्ष्य है। कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। इंजीनियरिंग खरीद और निर्माण (ईपीसी) अनुबंध प्रदान किया जा चुका है। साइट सर्वे, जियो टेक्निकल अन्वेषण और मिट्टी जांच का कार्य पूर्ण हो चुका है। पश्चिम की ओर मौजूदा आरपीएफ क्वार्टरों को तोड़ दिया गया है और नए क्वार्टरों का कार्य तेजी से चल रहा है। ग्राउंड फ्लोर स्लैब का कार्य पूर्ण होने के साथ ही रूफ स्लैब का कार्य प्रगति पर है। यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों को स्थानांतरित कर दिया गया है और नए पीआरएस को शुरू किया गया है। पूर्व दिशा के स्टेशन भवन के ग्राउंड फ्लोर सुपर स्ट्रक्चर कॉलम वर्क, स्लैब वर्क और सीढ़ी के साथ-साथ लिफ्ट वॉल का कार्य प्रगति पर है। सब-स्टेशन भवन के ढ्ढ का कार्य तथा ळ्ढ्ढ के फाउंडेशन का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। इसके अलावा, पूर्व की ओर सर्कुलेटिंग एरिया में सड़क और पार्किंग के लिए समतलीकरण, उत्खनन और डब्ल्यूएमएम को बिछाने का कार्य प्रगति पर है। नए फुट ओवर ब्रिज की नींव का कार्य भी प्रगति पर है।

रेलवे स्टेशन के पूर्व और पश्चिम दोनों ओर नए स्टेशन भवनों का विकास प्रस्तावित है। पूर्व और पश्चिम की ओर स्थित स्टेशन भवनों को एफओबी के माध्यम से एकीकृत/एक दूसरे से जोड़ा जाएगा और बेहतर कनेक्टिविटी की सुविधा के लिए पटरियों और प्लेटफॉर्मों पर एक एयर कॉनकोर्स भी होगा। प्लेटफॉर्मों पर भीड़भाड़ से बचने के लिए प्लेटफॉर्मों के ऊपर यात्री सुविधाओं से युक्त पर्याप्त कॉन्कोर्स/वेटिंग स्पेस होंगे। कॉन्कोर्स क्षेत्र 2440 वर्ग मीटर में फैला होगा। नए स्टेशन स्टेशन को इस प्रकार के वास्तुशिल्प परिवेश के साथ डिजाइन किया गया है जो यह सुनिश्चित करेगा कि संपूर्ण स्टेशन परिसर उपयुक्त अग्रभाग, फिनिश, रंग, सामग्री, बनावट और समग्र रूप और अनुभव के माध्यम से एक एकीकृत थीम प्रस्तुत करे। मुख्य स्टेशन भवन के पूर्व में सर्कुलेटिंग एरिया में एक क्लॉक टावर होगा जो उधना स्टेशन का आइकॉनिक प्रतीक होगा। पश्चिम की ओर के अग्रभाग की थीम उधना शहर के परिवेश (ल्दिल्ह्हे) के समान होगी।

उधना रणनीतिक रूप से गुजरात के प्रमुख शहरी केंद्रों जैसे सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद और गांधीनगर के निकट है। उधना रेल मार्ग द्वारा गुजरात राज्य के प्रमुख नगरों और छोटे शहरों के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। स्टेशन का इस प्रकार का अपग्रेडेशन और व्यापार और वाणिज्य के लिए आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करेगा और उधना को एक प्रमुख व्यवसाय और व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद

विभिन्न गेज परिवर्तन, नई लाईन परियोजना एवं ऑथोरीटी इंजीनियर की नियुक्ति

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) I, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद द्वारा निम्नानुसार खुली निविदा आमंत्रित की गई है : **ई-निविदा सूचना सं. डेप्यु.सीई(सी)I/एडीआई/एजेएम-बीजेएफ/एचएमटी-केडीबीएम/एमडीएसए-एसजेएस/पीएमएस/01 (दो पैकेट) (1) कार्य का नाम:** पश्चिम रेलवे के मुख्य परियोजना प्रबंधक (निर्माण)-I, अहमदाबाद इकाई के क्षेत्राधिकार में आदरजमोटी-विजापुर गेज परिवर्तन (39.85 कि.मी.), के विभिन्न गेज परिवर्तन हेतु नई परियोजना के लिए प्रबंधन सेवाएँ प्रदान करने हेतु ऑथोरीटी इंजीनियर की नियुक्ति एवं हिंमतनगर-खेडब्रह्मा गेज परिवर्तन (54.83 कि.मी.) एवं मोडासा-शामलाजी रोड नई लाईन (27.50 कि.मी.) (दो पैकेट)। **(2) कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 15,14,83,368.00 (पंद्रह करोड चौदह लाख तिरासी हजार तीन सो अड़सठ केवल) **(3) ऑनलाईन गेटवे के माध्यम से जमा कराने हेतु बयाना राशी:** ₹ 9,07,500 (रुपए नौ लाख सात हजार पांच सो केवल) **(4) समापन अवधि:** 24 (चौबीस) माह **(5) बीड जमा करने एवं तकनिकी बीड खुलने की तारीख एवं समय: दिनांक 04/07/2023** को 15:00 बजे तक निविदा जमा कर सकते हैं एवं दिनांक 04/07/2023 को 15:30 बजे खोली जाएगी **(6) निविदा बिडींग प्रकार की प्रणाली:** दो पैकेट प्रणाली **(7) वेबसाईट विवरण, नोटीस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण देख सकते हैं एवं कार्यालय का पता:** उप मुख्य अभियंता (निर्माण)। का कार्यालय, पश्चिम रेलवे, द्वितीय तल, निर्माण भवन, 'C' विंग, मं.रे.प्र. कार्यालय के पास, असारवा, अहमदाबाद। वेबसाईट: **www.ireps.gov.in** CPM-020

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज ने गिफ्ट निफ्टी की नई ब्रांड पहचान को लॉन्च किया

भारतीय वित्तीय परिदृश्य में बदलाव के एक नए युग को रेखांकित करने का प्रयास

एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज (एनएसई आईएक्स) ने आज गिफ्ट निफ्टी की एक नई ब्रांड पहचान का विमोचन किया। यह नई ब्रांड पहचान 3 जुलाई, 2023 से एसजीएक्स निफ्टी के गिफ्ट निफ्टी में पूरी तरह बदलाव के एक हिस्से के रूप में मिली है। गिफ्ट निफ्टी की नई पहचान अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए अद्वितीय अवसरों और नई दिशाओं को दर्शाती है और इस तरह वे गिफ्ट सिटी में एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज के माध्यम से निफ्टी उत्पादों तक पहुंचते हुए भारत के विकास की यात्रा में शामिल हो सकते हैं। गिफ्ट निफ्टी का नया रूप फ्लैगशिप इंडेक्स निफ्टी 50 के साथ जुड़ा हुआ है, जो भारतीय इक्विटी बाजारों की विकास कहानी को दर्शाता है।

नए लोगो का अनावरण एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज-एसजीएक्स के 3 जुलाई, 2023 से शुरू होने वाले पूर्ण पैमाने पर संचालन की हाल की घोषणा के बाद हुआ है। एनएसई इंटरनेशनल एक्सचेंज और एसजीएक्स के बीच यह रणनीतिक पहल एसजीएक्स सदस्यों से गिफ्ट निफ्टी ऑर्डर को एनएसई आईएफएससी में रूट करने में सक्षम बनाती है।

शुरूआत में, बाजार प्रतिभागी गिफ्ट निफ्टी 50, गिफ्ट निफ्टी बैंक, गिफ्ट निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और गिफ्ट निफ्टी आईटी डेरिव